www.railsamacharbureauald.com
सम्पूर्ण भारतीय रेल जगत का प्रथम पाक्षिक, प्रयागराज से प्रकाशित

रेल समाचार ब्यूरो

सन् 1990 से रेल सेवा में समर्पित

भारत में हर भाषा का सम्मान है, पर हिंदी ईश्वर का वरदान है।

हम भारतीय सभी भाषाओं का करते हैं सम्मान, पर हिंदी ही है हमारी पहचान।

वर्ष-34 अंक-17-18 प्रयागराज रेल समाचार ब्यूरो 01-30 सितम्बर 2024(सयुक्तांक) पृष्ठ 12 मूल्यः20 रु. मात्र + डाक खर्च (रंगीन सहित)

सबका साथ, सबका विकास' के मंत्र ने देश की सोच और प्राथमिकताओं को बदला है

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने झारखंड के टाटानगर में 660 करोड़ रुपये से अधिक की रेलवे परियोजनाओं की आधारशिला रखी और उन्हें राष्ट्र को समर्पित किया

सूत्र/रे.स.ब्यू- दिनांक 15 सितम्बर को प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से झारखंड के टाटानगर में 660 करोड़ रुपये से अधिक की विभिन्न रेलवे परियोजनाओं का शिलान्यास किया और उन्हें राष्ट्र को समर्पित किया। इन परियोजनाओं में देवघर जिले में मधुपुर बाईपास लाइन और हजारीबाग जिले में हजारीबाग टाउन कोचिंग डिपो की आधारशिला शामिल है। इस अवसर पर प्रधानमंत्री ने झारखंड में छह वंदे भारत ट्रेनों को हरी झंडी दिखाई, जिससे राज्य की रेल कनेक्टिविटी और भी मजबूत होगी। प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में झारखंड के विकास की प्रतिबद्धता जताई और कहा कि पूर्वी भारत में रेल कनेक्टिविटी के विस्तार से अर्थव्यवस्था और पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने टाटानगर के औद्योगिक विकास और रोजगार सृजन की दिशा में भी सकारात्मक बदलाव की उम्मीद जताई। इसके अलावा, श्री मोदी ने झारखंड के 32,000 पीएम आवास योजना-ग्रामीण (PMAY-G) लाभार्थियों को स्वीकृति पत्र वितरित किए, जिससे राज्य में पक्के मकानों का निर्माण सुनिश्चित होगा। प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में 'सबका साथ, सबका विकास' के मंत्र पर जोर देते हुए कहा कि सरकार झारखंड के समग्र विकास के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि रेलवे और आवासीय विकास में निवेश राज्य के आर्थिक और सामाजिक उत्थान में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

श्री अश्विनी वैष्णव जी द्वारा पीलीभीत-शाहगढ़-मैलानी रेल खंड के गेज परिवर्तन का राष्ट्र को समर्पण एवं नई ट्रेन सेवा का शुभारंभ।

सूत्र/रे.स.ब्यू- माननीय रेल, सूचना एवं प्रसारण, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री, श्री अश्विनी वैष्णव ने दिनांक 1 सितंबर 2024 को वीडियोकांफ्रेंसिंग के माध्यम से पीलीभीत-शाहगढ़-मैलानी रेलखंड के गेज परिवर्तन का उद्घाटन किया और इस खंड पर नई ट्रेन सेवा का शुभारंभ किया। समारोह में उन्होंने कहा कि यह दिन ऐतिहासिक है, और पीलीभीत अब प्रदेश की राजधानी से जुड़ रहा है, जिसका श्रेय स्थानीय सांसद श्री जितिन प्रसाद को जाता है। श्री वैष्णव ने रूहेलखंड क्षेत्र के महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया कि अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत पीलीभीत सहित आंवला, बदायूं, बरेली और मुरादाबाद जैसे स्टेशनों का पुनर्विकास हो रहा है। उत्तर प्रदेश में **157** रेलवे स्टेशनों का पुनर्निर्माण किया जा रहा है, जो केंद्र सरकार की योजनाओं का परिणाम है। 2024-25 के बजट में उत्तर प्रदेश के रेलवे विकास के लिए ₹19,848 करोड़ आवंटित किए गए हैं, जो 2009-14 के मुकाबले 18 गुना अधिक है। श्री वैष्णव ने बताया कि पिछले 10 वर्षों में उत्तर प्रदेश में 4900 किमी नई रेल लाइन बिछाई गई है, जो स्विट्जरलैंड के कुल रेल नेटवर्क के बराबर है। उन्होंने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में रेलवे के विकास में हो रहे बदलावों को एक मिसाल बताया और कहा कि तीसरे कार्यकाल में तीन गुना अधिक मेहनत की जा रही है। इस अवसर पर, श्री जितिन प्रसाद ने कहा कि पीलीभीत क्षेत्र में विकास का नया अध्याय लिखा जा रहा है, और ₹17 करोड़ की लागत से पीलीभीत स्टेशन को विश्व स्तरीय स्टेशन बनाया जा रहा है। यहां यात्रियों की सुविधा के लिए लिफ्ट, एस्केलेटर और फुट ओवर ब्रिज जैसी सुविधाएं प्रदान की जाएंगी। इसके साथ ही, पीलीभीत से लखनऊ और मैलानी के बीच नई ट्रेनों का संचालन शुरू हो रहा है। माननीय केंद्रीय रेल एवं जलशक्ति राज्यमंत्री श्री वी. सोमन्ना तथा अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी रेलवे बोर्ड श्री सतीश कुमार वीडियो लिंक के माध्यम से समारोह में उपस्थित थे।

केंद्रीय मंत्री श्री रवनीत सिंह बिट्टू ने रेलवे सुरक्षा बल की समीक्षा बैठक की

सूत्र/रे.स.ब्यू- केंद्रीय रेल मंत्री श्री रवनीत सिंह बिट्टू ने रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) की एक प्रभावी समीक्षा बैठक की, जिसमें महानिदेशक श्री मनोज यादव और अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे। बैठक में सुरक्षा उपायों को मजबूत करने और यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए संचाल- नात्मक दक्षता में सुधार पर चर्चा की गई। श्री बिट्टू जी ने आरपीएफ की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया, जो हर दिन करोड़ों यात्रियों के लिए एक सुरक्षित वातावरण बनाए रखती है। उन्होंने सक्रिय रणनीतियों पर ध्यान केंद्रित करते हुए आरपीएफ के कर्मचारियों को सशक्त बनाने के लिए प्रशिक्षण और संसाधनों की आवश्यकता पर बल दिया। बैठक में उन नवीनतम तकनीकों पर भी चर्चा की गई, जो निगरानी और प्रतिक्रिया क्षमताओं को और बढ़ा सकती हैं।

"हिंदी भाषा भारतीय संस्कृति की पहचान है।
इसे सम्मान देना हर भारतीय का कर्तव्य है।"

अटल बिहारी बाजपेयी

रेलवे द्वारा नासिक और दहानू को त्र्यंबकेश्वर के रास्ते जोड़ने की योजना – नई रेल लाइन के लिए फाइनल लोकेशन सर्वे को मंजूरी।

नासिक-दहानू नया रेल संपर्क आर्थिक विकास को गति देने, कनेक्टिविटी में सुधार करने और महाराष्ट्र में यात्रियों के लिए समग्र यात्रा अनुभव को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

सूत्र/मध्य रेलवे - रेलवे नासिक-दहानू नई रेल लाइन के साथ महाराष्ट्र में रेल संपर्क को बेहतर बनाने की दिशा में एक और बड़ा कदम उठाने के लिए तैयार है। रेल मंत्रालय ने नासिक-दहानू नई ब्रॉड गेज रेल लाइन परियोजना के लिए फाइनल लोकेशन सर्वे को मंजूरी दे दी है, जिसकी कुल लागत 2.50 करोड़ रुपये है। नासिक से दहानू तक त्र्यंबकेश्वर और वानगांव के रास्ते 100 किलोमीटर लंबी रेल लाइन महाराष्ट्र के पालघर जिले के दो प्रमुख शहरों नासिक और दहानू को जोड़ेगी। यह नई रेल लाइन पर्यटन को बढ़ावा देने में भी सहायक होगी, जिससे 12 ज्योतिर्लिंगों में से एक के दर्शन के लिए त्र्यंबकेश्वर मंदिर और नासिक में पंचवटी (वह स्थान जहाँ भगवान राम वनवास के दौरान रुके थे) जाने के इच्छुक लाखों भक्तों को रेल परिवहन उपलब्ध होगा। यह नासिक और पालघर जिले के कई शहरों को जोड़ेगा, जिससे क्षेत्र में आर्थिक वृद्धि और विकास को बढ़ावा मिलेगा।

रेलवे द्वारा एलटीटी मुंबई-सूबेदारगंज और कानपुर विशेष ट्रेनों की सेवाओं के लिए अतिरिक्त 40 सेवाओं का विस्तार।

सूत्र/मध्य रेलवे - विशेष ट्रेनों की भारी मांग को देखते हुए और यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को कम करने के लिए निम्नलिखित विशेष ट्रेनों की सेवाओं को अतिरिक्त 40 सेवाओं के लिए विस्तार दिया गया है। विवरण इस प्रकार है:

एलटीटी मुंबई-सूबेदारगंज साप्ताहिक विशेष (20 सेवाएं)

- 04116 एलटीटी-सूबेदारगंज साप्ताहिक विशेष को दिनांक 27.09.2024 से 29.11.2024 तक प्रत्येक शुक्रवार को चलाने के लिए विस्तार दिया गया है (10 सेवाएं)
- 04115 सूबेदारगंज-एलटीटी साप्ताहिक विशेष को दिनांक 26.09.2024 से 28.11.2024 तक प्रत्येक गुरुवार को चलाने के लिए विस्तार दिया गया है (10 सेवाएं)

संरचनाः 6 वातानुकूलित-III टियर, 10 शयनयान श्रेणी, 5 सामान्य द्वितीय श्रेणी जिसमें 1 लगेज सह गार्ड ब्रेक वैन और 1 जेनरेटर कार (22 एलएचबी कोच) शामिल हैं। उक्त ट्रेन के चलने के दिन, समय और ठहराव में कोई बदलाव नहीं होगा।

एलटीटी मुंबई-कानपुर साप्ताहिक विशेष (२० सेवाएं)

- 04152 एलटीटी-कानपुर साप्ताहिक विशेष को दिनांक 28.09.2024 से 30.11.2024 तक प्रत्येक शनिवार को चलाने के लिए विस्तार दिया गया है (10 सेवाएं)
- 04151 कानपुर-एलटीटी साप्ताहिक विशेष को दिनांक 27.09.2024 से 29.11.2024 तक प्रत्येक शुक्रवार को चलाने के लिए विस्तार दिया गया है (10 सेवाएं)

उक्त ट्रेन के चलने के दिन, समय, संरचना और ठहराव में कोई बदलाव नहीं होगा।

उक्त विशेष ट्रेन के समय एवं ठहराव की विस्तृत जानकारी के लिए http://www.enquiry.indianrail.gov.in पर देखें या NTES ऐप डाउनलोड करें।

रेलवे सुरक्षा बल/उत्तर रेलवे द्वारा हरियाणा और जम्मू-कश्मीर चुनावों के मद्देनजर रेल माध्यम से अवैध रूप से ले जाने वाले सोने, चांदी और नकदी की रिकॉर्ड जब्ती।

सूत्र/उत्तर रेलवे- हरियाणा और जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनावों के मद्देनजर रेलवे द्वारा अवैध सोना, चांदी, शराब और नकदी के परिवहन को रोकने के लिए महानिदेशक, रेलवे सुरक्षा बल के निर्देश पर उत्तर रेलवे में लगातार कार्रवाई की जा रही है। 05.09.2024 को नई दिल्ली, अम्बाला, और बठिंडा स्टेशनों पर चलाए गए सघन तलाशी अभियान में 5,74,61,114 रुपये की अवैध सामग्री और नकदी जब्त की गई। उसी दिन, प्रभारी निरीक्षक श्री जावेद खान और उनकी टीम ने गाड़ी संख्या 12926 पश्चिम एक्सप्रेस की चेकिंग के दौरान दो ट्राली बैगों से 2.00 किलोग्राम सोना और अन्य आर्टिफिशियल ज्वेलरी जिसकी कीमत 1,51,60,000 रुपये थी, तथा 5,00,000 रुपये की नकदी बरामद की। इन आभूषणों और नकदी की अग्रिम कार्रवाई आयकर विभाग और चुनाव कमेटी, अम्बाला द्वारा की जा रही है। इसके अतिरिक्त, रेलवे सुरक्षा बल, बठिंडा ने गाड़ी संख्या 12455 बीकानेर एक्सप्रेस की जनरल कोच की चेकिंग के दौरान छह व्यक्तियों से 16,01,499 रुपये मूल्य के 12 लैपटॉप और अन्य इलेक्ट्रॉनिक सामान बरामद किए। सेल्स टैक्स और आयकर विभाग को सूचित किया गया है और उक्त व्यक्तियों के खिलाफ रेलवे अधिनियम के तहत मुकदमा पंजीकृत किया गया है। समान दिन, श्री अम्बिका नाथ मिश्रा, महानिरीक्षक उत्तर रेलवे के नेतृत्व में, मुखबिर की सूचना पर गाड़ी संख्या 12381 पूर्वा एक्सप्रेस, 12951 मुंबई राजधानी एक्सप्रेस, और 12925 पश्चिम एक्सप्रेस के पार्सल वैन से 24 नग बरामद किए गए। इनमें 498 ग्राम सोना (36,70,260 रुपये), 365.704 किलोग्राम चांदी (2,79,56,995 रुपये), और 85,72,360 रुपये नकद शामिल हैं। कुल बरामदगी की कीमत 4,01,99,615 रुपये है। यह उत्तर रेलवे द्वारा एक दिन में की गई सबसे बड़ी बरामदगी है।

महाप्रबंधक ने सुरक्षा और इंफ्रास्ट्रक्चर कार्यों की समीक्षा की।

सूत्र/पमरे - पश्चिम मध्य रेलवे की महाप्रबंधक श्रीमती शोभना बंदोपाध्याय की अध्यक्षता में सितंबर के दूसरे सप्ताह की को-आर्डिनेशन रिव्यू मीटिंग आयोजित की गई। इसमें अपर महाप्रबंधक श्री आर. एस. सक्सेना और विभागाध्यक्ष उपस्थित थे, जबकि मंडल रेल प्रबंधक वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़े रहे। बैठक में सुरक्षा और इंफ्रास्ट्रक्चर कार्यों पर विशेष ध्यान दिया गया, और ओरिजिनेटिंग रेवेन्यू बढ़ाने, की परफॉर्मेंस इंडेक्स (KPI) और गुड्स ट्रैफिक में सुधार पर चर्चा की गई। महाप्रबंधक ने सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे नई रेल लाइनों और संवेदनशील क्षेत्रों में समय-समय पर समीक्षा करें। गेटमैन की नियमित पेट्रोलिंग और सुरक्षा उपकरणों की उपलब्धता पर जोर दिया गया। उन्होंने लूप लाइन की मरम्मत पर भी ध्यान देने का आग्रह

किया। अधोसंरचना कार्यों में तेजी लाने के लिए दिशा-निर्देश दिए गए। महाप्रबंधक ने ओरिजिनेटिंग रेवेन्यू बढ़ाने और गुड्स ट्रैफिक में सुधार के लिए निरंतर निगरानी की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने रेलवे राजस्व और यात्री सुविधाओं में वृद्धि की परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा की और अधिकारियों को कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए।

स्वच्छता अभियान में जन भागीदारी पर जोर, रेलवे स्टेशनों पर लगेंगे स्वच्छता चौपाल।

सूत्र/रे.स.ब्यू - रेलवे में स्वच्छता को समर्पित विशेष अभियान 4.0 दो चरणों (पहला चरण 13.09.2024 से 30.09.2024 तक और दूसरा चरण 2 अक्टूबर से 31 अक्टूबर 2024 तक) में आयोजित किया जाएगा। विशेष अभियान 4.0 को सफल बनाने के लिए विशेष अभियान। रेलवे द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के स्वच्छ भारत अभियान को आगे बढ़ाने का सिलसिला लगातार जारी है। इसके तहत रेलवे ने स्वच्छता अभियान में जन भागीदारी पर जोर दिया है। इसके लिए रेलवे स्टेशनों पर स्वच्छता चौपाल लगाकर जहां रेल यात्रियों को जागरूक किया जाएगा, वहीं ग्राम पंचायतों को भी इस अभियान से जोड़ा जाएगा। गुरुवार को इस विशेष अभियान 4.0 को लेकर रेलवे बोर्ड की सचिव अरुणा नायर की अध्यक्षता में हुई बैठक में स्वच्छता में सुधार पर जोर दिया गया। यह विशेष अभियान 4.0 दो चरणों (पहला चरण 13.09.2024 से 30.09.2024 तक

और दूसरा चरण 2 अक्टूबर से 31 अक्टूबर 2024 तक) में आयोजित किया जाएगा। प्रारंभिक चरण के दौरान चिन्हित लंबित मामलों का निपटान किया जाएगा। इस अभियान को सफल बनाने के लिए रेलवे ने देशभर में 150 से अधिक नोडल अधिकारी नियुक्त किए हैं। अभियान की तैयारियों की समीक्षा के लिए 12.09.2024 को रेलवे बोर्ड के सचिव की अध्यक्षता में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से एजीएम/जोनल रेलवे, जीएम/पीयू, सीएमडी/एमडी/पीएसयू, नोडल अधिकारियों और बोर्ड के निदेशालयों के अधिकारियों के साथ बैठक आयोजित की गई। रेलवे ने विशेष अभियान 3.0 में हर क्षेत्र में उच्च मानक स्थापित करके बहुत अच्छा प्रदर्शन किया था। अभियान 3.0 के दौरान रेलवे ने खाली की गई जगहों और स्क्रैप निपटान से अर्जित राजस्व, जन शिकायतों, अपीलों का निपटान, स्वच्छता स्थलों जैसे मापदंडों में सभी मंत्रालयों में शीर्ष प्रदर्शन करने वालों में से एक था। ऐसे में इस बार भी इस अभियान को सफल बनाने के लिए रेलवे कई कदम उठा रहा है। विशेष अभियान 4.0 को सफल बनाने के लिए बैठक में रेलवे बोर्ड की सचिव ने सभी स्तरों पर सक्रिय भागीदारी पर जोर देते हुए उत्कृष्ट प्रदर्शन करने का आह्वान किया।

स्वच्छ और सुरक्षित यात्रा सुनिश्चित करने हेतु हम प्रतिदिन ईएमयू उपनगरीय रेक की सफाई गहनता से करते हैं: हावड़ा मंडल।

सूत्र/पूर्व रेलवे- पूर्व रेलवे के हावड़ा मंडल ने ईएमयू उपनगरीय रेक की सफाई गतिविधियों को महत्वपूर्ण रूप से बढ़ाया है, जो लाखों यात्रियों के लिए एक दैनिक यात्रा का महत्वपूर्ण हिस्सा है। इन प्रयासों का लक्ष्य यह सुनिश्चित करना है कि सभी यात्रियों को स्वच्छ, सुरक्षित और आरामदायक यात्रा का अनुभव मिले। ईएमयू उपनगरीय रेक के सफाई कार्यों को तीन श्रेणियों में विभाजित किया गया है: मामूली, प्रमुख और गहन सफाई। ये श्रेणियाँ सुनिश्चित करती हैं कि रेक्स की स्थिति बेहतर बनी रहे।

मामूली सफाई: हावड़ा मंडल में सेवा में मौजूद सभी 58 बारह-कोच रेक पर दैनिक रूप से की जाती है। इसमें ड्राई स्वीपिंग, पंखों की सफाई और धूल-मकड़ी के जाले हटाने जैसे काम शामिल होते हैं। यह सफाई नियमित मानकों को बनाए रखती है।

प्रमुख सफाई: प्रतिदिन चार रेक्स पर की जाती है और इसमें अवांछित पोस्टर हटाना, सतहों की गहरी सफाई और विशेष ध्यान देने वाली क्षेत्रों की सफाई शामिल है। यह सुनिश्चित करता है कि रेक्स अच्छी स्थिति में बने रहें और बारीकियों पर ध्यान दिया जाए।

गहन सफाई: प्रति दिन दो रेक्स पर की जाती है, जिसमें कोचों के बाहरी हिस्सों से दाग हटाना, वेंडर डिब्बों की गहरी सफाई और महत्वपूर्ण क्षेत्रों की धुलाई शामिल है। इसका उद्देश्य रेक्स को लगभग नई स्थिति में बनाए रखना है। ये सफाई गतिविधियाँ हावड़ा और बैण्डेल कारशेड में की जाती हैं। दोनों साइटें आवश्यक सुविधाओं और कार्यबल से सुसज्जित हैं, जिससे सभी रेक्स कुशलतापूर्वक साफ किए जा सकें। पूर्व रेलवे अपने उपनगरीय यात्रियों को सर्वोत्तम सेवाएं देने के लिए प्रतिबद्ध है, और इन मानकों की निगरानी पर्यवेक्षकों और अधिकारियों द्वारा की जाती है।

डिजिटल इंडिया पहल को बढ़ावा देता उत्तर मध्य रेलवे।

सूत्र/रे.स.ब्यू - डिजिटल इंडिया को बढ़ावा देने के लिए उत्तर मध्य रेलवे ने रेलवे स्टेशनों के टिकट काउंटरों पर क्यूआर कोड से भुगतान की सुविधा प्रारंभ की है। इस सुविधा से यात्रियों को लेनदेन के दौरान होने वाली समस्याओं का स्थायी निदान मिलेगा। जैसे पहले टिकट लेते समय खुले पैसे नहीं होने पर ओवरचार्जिंग और नगद भुगतान के समय भूल-चूक जैसी संभावित समस्याएं समाप्त हो जाएंगी। क्यूआर कोड से भुगतान करने पर भारत सरकार के डिजिटल इंडिया अभियान को बढ़ावा मिलेगा। रेलवे यात्रा के अनुभव को सुखद

उत्तर मध्य रेलवे के टिकट काउंटरो पर क्यूआर कोड से भुगतान की सुविधा।

बनाने के क्रम में उत्तर मध्य रेलवे द्वारा आसान टिकट वितरण के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। यात्री सुविधा हेतु उत्तर मध्य रेलवे ने प्रयागराज मंडल में 02 यूटीएस, 02 पीआरएसया झाँसी मंडल में 40 यूटीएस, 04 पीआरएसया और आगरा मंडल में 44 यूटीएस काउंटरों पर क्यूआर कोड से भुगतान की सुविधा शुरू की है। इस सुविधा से यात्रीगण यूपीआई ऐप के माध्यम से भुगतान कर रेलवे टिकट खरीद पा रहे हैं। आसान टिकट वितरण में यूपीआई ऐप के माध्यम से भुगतान यात्री सुविधाओं के विकास में अहम भूमिका अदा कर रहा है। इसी क्रम में आगामी समय में प्रयागराज मंडल में 272, झाँसी मंडल में 158, और आगरा मंडल में 89 कुल 519 अन्य काउंटरों पर यह सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी, जिससे उत्तर मध्य रेलवे में कुल 611 काउंटरों पर क्यूआर कोड से भुगतान की सुविधा उपलब्ध हो जाएगी।

135 इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग सिस्टम पश्चिम मध्य रेलवे में स्थापित।

सूत्र/पमरे- पश्चिम मध्य रेलवे ने सिग्नलिंग सिस्टम को अपग्रेड करने की प्रक्रिया के तहत 135 स्टेशनों पर इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग सिस्टम स्थापित किया है। महाप्रबंधक के मार्गदर्शन और प्रमुख मुख्य संकेत एवं दूरसंचार इंजीनियर के निर्देशन में यह उन्नति की जा रही है। इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग ट्रेन संचालन में डिजिटलीकरण और सुरक्षा बढ़ाने के लिए बड़े पैमाने पर अपनाया जा रहा है। यह प्रणाली पारंपरिक विद्युत रिले इंटरलॉकिंग के मुकाबले सॉफ्टवेयर और इलेक्ट्रॉनिक घटकों का उपयोग करती है, जो सिग्नल, पॉइंट और लेवल क्रॉसिंग गेटों को नियंत्रित करती है। इससे मानवीय त्रुटियों की संभावना समाप्त होती है और ट्रेनों की आवाजाही पर सटीक नियंत्रण सुनिश्चित होता है। पश्चिम मध्य रेलवे ने जबलपुर,

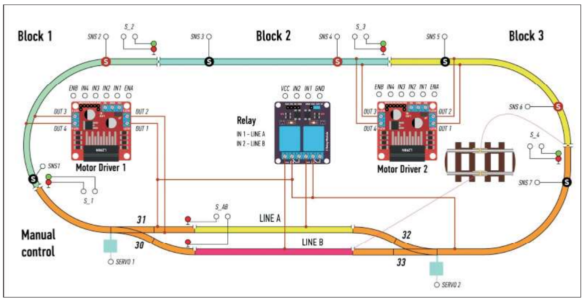

भोपाल, और कोटा मंडलों के 45-45 स्टेशनों को इस प्रणाली से लैस किया है, और बाकी स्टेशनों को भी शीघ्र ही अपग्रेड किया जाएगा। इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग सिस्टम के लाभ में सुरक्षा में सुधार, ट्रेनों की गति में वृद्धि, और परिचालन समय में कमी शामिल हैं। यह प्रणाली परस्पर विरोधी मार्गों और गलत सिग्नल के कारण होने वाली दुर्घटनाओं को कम करती है और इसे कवच तकनीक और सेंट्रलाइज्ड ट्रैफिक कंट्रोल सिस्टम के साथ जोड़ा जा सकता है। पश्चिम मध्य रेलवे सुरक्षित और संरक्षित रेल संचालन के लिए नई आधुनिक तकनीक का उपयोग करने में अग्रणी भूमिका निभा रहा है।

भारतीय रेलवे में कनेक्टिविटी और लॉजिस्टिक्स सुधार के लिए तीन नई परियोजनाएं मंजूर

सूत्र/रे.स.ब्यू-केंद्र सरकार ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में आर्थिक मामलों की कैबिनेट समिति (CCEA) ने भारतीय रेलवे के विस्तार और दक्षता बढ़ाने के उद्देश्य से 6,456 करोड़ रुपये की लागत वाली तीन महत्वपूर्ण परियोजनाओं को मंजूरी दी है। इन परियोजनाओं से दूरदराज के इलाकों को बेहतर कनेक्टिविटी मिलेगी, जिससे यात्रियों की सुविधा बढ़ेगी और लॉजिस्टिक्स लागत में कमी आएगी। प्रस्तावित नई लाइनों से ओडिशा, झारखंड, पश्चिम बंगाल और छत्तीसगढ़ के 7 जिलों में कनेक्टिविटी बेहतर होगी, जिसमें 1,300 गांव और 11 लाख लोग लाभान्वित होंगे। इसके साथ ही मल्टी-ट्रैकिंग प्रोजेक्ट के जरिए 19 लाख लोगों को कनेक्टिविटी दी जाएगी। इन परियोजनाओं से कृषि, कोयला और इस्पात जैसी वस्तुओं के परिवहन में सुधार होगा और देश की लॉजिस्टिक्स लागत घटेगी। यह परियोजनाएं न केवल रोजगार के अवसर पैदा करेंगी, बल्कि कार्बन उत्सर्जन को भी कम करेंगी, जिससे पर्यावरणीय लाभ होगा। रेल मार्गों के विकास से करीब 9.7 करोड़ पेड़ लगाने के बराबर कार्बन डाइ-ऑक्साइड उत्सर्जन की बचत होगी। यह पहल प्रधानमंत्री के आत्मनिर्भर भारत और हरित भविष्य की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत उसलापुर रेलवे स्टेशन का हो रहा कायाकल्प ।

सूत्र/ रे.स.ब्यू - भारतीय रेल देश की लाइफलाइन है। रेलवे लगातार यात्री सेवा को सुलभ करने के लिए नवीनतम तकनीक, सुविधाओं और बुनियादी ढांचे को आधुनिक बनाने पर काम कर रही है। वर्तमान में, रेल मंत्रालय की महत्वाकांक्षी परियोजना के अंतर्गत यात्रियों को विश्वस्तरीय सुविधा प्रदान करने के लिए ''अमृत भारत स्टेशन'' योजना के तहत स्टेशनों का कायाकल्प किया जा रहा है। इस योजना के अंतर्गत दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे की 47 स्टेशनों का पुनर्विकास किया जा रहा है। अमृत भारत स्टेशन योजना का उद्देश्य आधुनिक सुविधाओं के साथ मौजूदा सुविधाओं के अपग्रेडेशन पर भी काम करना है। इसी कड़ी में उसलापुर रेलवे स्टेशन का पुनर्विकास ''अमृत भारत स्टेशन'' योजना के अंतर्गत किया जा रहा है। बिलासपुर शहर में स्थित उसलापुर स्टेशन, बिलासपुर का सेटेलाइट स्टेशन है। रायपुर और दुर्ग की ओर से कटनी की तरफ जाने वाली अधिकांश गाड़ियां वर्तमान में बिलासपुर स्टेशन के बजाय उसलापुर स्टेशन होकर चलायी जा रही हैं। उसलापुर स्टेशन के आसपास बिलासपुर शहर का विस्तार हुआ है। इसको ध्यान में रखते हुए, उसलापुर स्टेशन को विश्वस्तरीय सुविधाएं और यात्रियों को बेहतर यात्रा अनुभव प्रदान करने के लक्ष्य के साथ विकसित किया जा रहा है। रेलवे स्टेशन के आसपास अच्छी व्यवस्थाओं से आर्थिक गतिविधियों को भी बढ़ावा मिलेगा। वर्तमान में उसलापुर रेलवे स्टेशन से प्रतिदिन लगभग 6,000 यात्रियों का आवागमन हो रहा है, और भविष्य में यात्री संख्या में वृद्धि की संभावना है, जिसे ध्यान में रखते हुए इसका विकास किया जा रहा है। अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत उसलापुर स्टेशन पर किए जा रहे पुनर्विकास कार्यों से यात्रियों को आरामदायक और सुलभ यात्रा के साथ-साथ नया यात्रा अनुभव प्राप्त होगा, और संस्कृति, पर्यटन और व्यापार में भी व्यापक विस्तार होगा। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे यात्री सुविधा और विकास के लिए प्रतिबद्ध है, और भविष्य में भी उन्नत और आधुनिक यात्री सुविधाओं के कार्य जारी रहेंगे।

बांद्रा टर्मिनस और मड्गांव के बीच द्वि-साप्ताहिक नई ट्रेन से यात्रियों को मिल रही सुविधा

सूत्र/रे.स.ब्यू - पश्चिमी उपनगरों से कोंकण तक ट्रेन शुरू करने की लंबे समय से चली आ रही मांग अब पूरी हो गई है। माननीय केंद्रीय रेल, सूचना एवं प्रसारण और इलेक्ट्रॉनिक्स एवं आईटी मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव जी ने कहा कि पश्चिमी उपनगरों से कोंकण तक ट्रेन शुरू करने की लंबे समय से चली आ रही मांग अब पूरी हो गई है। श्री वैष्णव ने जोर देकर कहा कि महाराष्ट्र के लिए वित्त वर्ष 2024-25 में बजट परिव्यय 15,940 करोड़ रुपये है, जो 2014 से पहले की अवधि की तुलना में 13 गुना अधिक है। उन्होंने यह भी बताया कि पिछले 10 वर्षों में, भारतीय रेलवे ने महाराष्ट्र में लगभग 1830 किलोमीटर रेलवे ट्रैक बिछाए हैं, जो श्रीलंका के पूरे रेलवे नेटवर्क से भी अधिक है। श्री वैष्णव ने महाराष्ट्र में चल रहे विभिन्न कार्यों के बारे में भी जानकारी दी, जो 81,580 करोड़ रुपये के निवेश से किए जा रहे हैं। मुंबई उपनगर पर बोलते हुए माननीय रेल मंत्री ने बताया कि मुंबई क्षेत्र में 16,240 करोड़ रुपये की लागत से 12 इंफ्रास्ट्राक्चर परियोजनाएं प्रगति पर हैं। (इन परियोजनाओं का सारांश अनुलग्नक 1 में है)। उन्होंने यह भी बताया कि अमृत स्टेशन योजना के तहत महाराष्ट्र में 6411 करोड़ रुपये की लागत से 132 रेलवे स्टेशन विकसित किए जा रहे हैं। इस वर्ष भारतीय रेल 342 गणपति स्पेशल ट्रेनें भी चला रही है। श्री पीयूष गोयल ने भी कहा कि यह एक महत्वपूर्ण अवसर है क्योंकि उत्तरी मुंबई में रहने वाले कोंकण के लोगों की सदियों पुरानी मांग और सपना सच हो गया है। यह नियमित ट्रेन पश्चिमी उपनगरों से कोंकण क्षेत्र को सीधी कनेक्टिविटी प्रदान करेगी।

पाठकों से अनुरोध

विगत वर्षों की भाँति आगामी वर्ष के लिए अपनी रेल समाचार ब्यूरो पत्रिका को सुरक्षित करने के लिए वार्षिक सद्स्यता शुल्क शीघ्र भेजने की कृपा करें, जिससे उक्त पत्रिका आपको नियमित भेजी जा सके।

सहयोग राशि:

१. उच्चतम अधिकारी-5000 रु. मात्र
२. उच्च अधिकारी- 3500 रु. मात्र
३. अधीनस्थ अधिकारी-2500 रु. मात्र
४. रेलकर्मी/अन्य सदस्य-1000 रु. मात्र

सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वामी
ज्ञानेन्द्र कुमार श्रीवास्तव
पंजिकृत कार्यालय
502 पंचशीला भवन त्रिवेनी रोड, नेतानगर, कीडगंज प्रयागराज-211003 से प्रकाशित।
कैंप कार्यालय- अनिल केन (रिर्पोटर) कार्यालय 8439 आर्य नगर पहाड़गंज दिल्ली-55

समस्त प्रकार के कानूनी मामलों का न्यायिक क्षेत्र प्रयागराज होगा

सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वामी ज्ञानेन्द्र कुमार श्रीवास्तव दि. इलाहाबाद ब्लॉक वर्क्स प्रा. लि. 329/255 चक. जीरो रोड इलाहाबाद से मुद्रित एवं 502 पंचशीला भवन त्रिवेनी रोड, नेतानगर, कीडगंज प्रयागराज-211003 से प्रकाशित।
आर.एन. आई नं. 51097-90
पोस्ट ए.डी.-8
मो. 9773946044 / 9621922592
फोन नं. 0532-2418040

पाठको से अनुरोध

आपको यह अंक कैसा लगा ? इसमें आप और क्या परिवर्तन चाहते हैं ?
कृपया अपने सुझावों से अवश्य ही अवगत कराएं जिससे हम पत्रिका में सुधार कर सकें। हमें आपके सुझाव का इंतजार रहेगा।

प्रधान संपादक

श्री अश्विनी वैष्णव, माननीय रेल मंत्री ने सीएसएमटी हेरिटेज बिल्डिंग का किया दौरा, साथ ही दिए निर्देश

आरएलडीए (रेल भूमि विकास प्राधिकरण) द्वारा किए जा रहे पुनर्विकास कार्य और सीएसएमटी स्टेशन के यार्ड रीमॉडलिंग की प्रगति के बारे में भी जानकारी ली।

सूत्र/रे.स.ब्यू- श्री अश्विनी वैष्णव, माननीय रेल मंत्री और सूचना एवं प्रसारण मंत्री ने दिनांक 13.9.2024 को सीएसएमटी के दौरे (विजिट) के दौरान छत्रपति शिवाजी महाराज को श्रद्धांजलि दी। श्री वैष्णव ने अपने आगमन पर सर्वप्रथम सीएसएमटी में मध्य गुंबद के नीचे स्थापित छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा के समक्ष माथा टेका। उन्होंने सीएसएमटी हेरिटेज बिल्डिंग के पोर्टिको और भव्य सीढ़ी का दौरा किया और ऐतिहासिक इमारत का प्रशंसा के साथ अवलोकन किया। भारतीय रेलवे की यात्रा 16 अप्रैल, 1853 को इस ऐतिहासिक स्थल से आरम्भ हुई थी, जब भारतीय उपमहाद्वीप पर पहली ट्रेन बोरीबंदर और ठाणे के बीच लगभग 34 किलोमीटर की दूरी पर चली थी। ग्रेट इंडियन पेनिनसुला (जीआईपी) रेलवे कंपनी जिसने पहली ट्रेन चलाई थी, बाद में यही सेंट्रल रेलवे अर्थात वर्तमान के मध्य रेल के रूपये में स्थापित हुई जब 1951 में देश भर की तत्कालीन रेलवे कंपनियों को भारतीय रेलवे बनाने के लिए विलय कर दिया गया। छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस जिसे पहले विक्टोरिया टर्मिनस के नाम से जाना जाता था, जुलाई 2004 में यूनेस्को की विश्व धरोहर स्थल के रूप में सूचीबद्ध किया गया था और यह भारत के अन्य ऐतिहासिक यूनेस्को विश्व धरोहर स्थलों जैसे ताजमहल, अजंता गुफाएँ, खजुराहो, महाबलीपुरम और अन्य की श्रेणी में शामिल हो गया। हिंदू और मुगल वास्तुकला के संयोजन के साथ गॉथिक शैली में प्रसिद्ध वास्तुकार श्री फ्रेडरिक विलियम स्टीवंस द्वारा डिजाइन की गई, यह शहर के लोगों द्वारा सबसे ज्यादा फोटो खींची जाने वाली इमारत है और ताजमहल के बाद देश की दूसरी सबसे अधिक फोटो खींची जाने वाली इमारत है। 26.54 लाख रुपयों की लागत से निर्मित इस भवन को पूरा होने में 10 वर्ष लगे थे, जिसका निर्माण 1878 में शुरू हुआ था और 1887 में पूर्ण हुआ था। यह भवन, जो तत्कालीन जीआईपी रेलवे के कार्यालयों को संचालित करने के लिए बनाया गया था, अभी भी मध्य रेल के मुख्यालय के रूप में कार्यरत है, जिसमें महाप्रबंधक कार्यालय के साथ और विभिन्न अन्य कार्यालय हैं और संभवतः यह एकमात्र यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल है जो अभी भी अपने उद्देश्य को पूरा कर रहा है। सीएसएमटी (जैसा कि इसे लोकप्रिय रूप से जाना जाता है) 18 प्लेटफार्मों के साथ लगभग 200 मेल / एक्सप्रेस ट्रेनों और 1200 से अधिक उपनगरीय ट्रेनों के लिए उद्गम स्थल भी है, जिसमें प्लेटफार्म नंबर 1 से 7 उपनगरीय ट्रेनों के लिए और प्लेटफार्म नंबर 8 से 18 मेल / एक्सप्रेस ट्रेनों के लिए उपयोग में आता हैं। श्री वैष्णव ने छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस के प्रस्तावित पुनर्विकास के लघु त्रिमितीय मॉडल को देखा। योजना की विभिन्न विशेषताओं पर भी प्रकाश डाला गया। 2022 में, केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 2,450 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत और 2026 तक पूरा होने की समयसीमा के साथ आधुनिक सुविधाओं और बेहतर यात्री सुविधाओं से सज्ज सीएसएमटी के पुनर्विकास को मंजूरी दी थी। इस स्टेशन के पुनर्विकास की योजना का उद्देश्य माननीय प्रधानमंत्री के दिष्टकोण के अनुरूप सीएसएमटी को मल्टीमॉडल ट्रांसपोर्ट हब में बदलना है। इस परिवर्तन में आगमन और प्रस्थान को अलग करना, स्टेशन को दिव्यांगजनों के अनुकूल बनाना और सभी यात्रियों के लिए बेहतर सेवाएँ प्रदान करना शामिल होगा। इसके अतिरिक्त, स्टेशन में सभी भवन पर्यावरण संवर्धक एवं ऊर्जा-कुशल डिजाइन और इसके विरासत तत्वों को उनके मूल गौरव के रूप में बहाली के साथ पूर्ण करना शामिल होगा।

पुनर्विकास की मुख्य विशेषताएँ:

- विशाल डबल लेवल उपनगरीय क,नकोर्स
- एक नए प्रवेश बिंदु के साथ बेहतर स्टेशन पहुँच
- खुदरा, कैफेटेरिया और मनोरंजक सुविधाओं के लिए स्थानों के साथ केंद्रीकृत यात्री सुविधाएँ। मौजूदा साउथ हेरिटेज नोड को डी-कंजेस्ट किया जाएगा और मल्टीलेवल पार्किंग द्वारा पर्याप्त पार्किंग सुविधाएँ प्रदान की जाएंगी।
- पुनर्विकास परियोजना विरासत तत्वों की बहाली और संवर्धन पर जोर देती है, जिससे यह सुनिश्चित किया जाएगा कि स्टेशन का ऐतिहासिक महत्व संरक्षित रहे ।
- डिजाइन में एक नया उपनगरीय स्थानक और एक लंबी दूरी का स्थानक शामिल है, दोनों 25 मीटर चौड़े स्काईवॉक से जुड़े हैं, जिससे पहुंच और सुविधा में वृद्धि होगी। पैदल यात्रियों के अनुकूल एक एतिहासिक धरोहर प्रांगण बनाया जाएगा, जिससे यात्रियों के लिए क्षेत्र में आवाजाही में आसानी होगी।

अनाधिकृत रूप से रेल पटरी पार करना: जानलेवा अपराध और रेलवे की चेतावनी

सूत्र/रे.स.ब्यू- अनाधिंत रूप से रेल पटरी पार करना (ट्रेसपासिंग) एक गंभीर अपराध है, जो न केवल कानून का उल्लंघन है बल्कि जानलेवा भी हो सकता है। इस प्रकार की गतिविधियों से दुर्घटनाओं का खतरा बना रहता है, जिसमें व्यक्ति की जान जाने का जोखिम होता है। इसके साथ ही रेल परिचालन और संरक्षा पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। रेलवे प्रशासन अनाधिकृत पटरी पार करने की घटनाओं को रोकने के लिए समय-समय पर जागरूकता अभियान चलाता है। स्कूलों और कॉलेजों में विशेष कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं, जिसमें छात्रों और आम लोगों को इस खतरे से अवगत कराया जाता है। इसके अतिरिक्त, रेलवे स्टेशनों पर चेतावनी संकेतक, बैनर-पोस्टर और पब्लिक एनाउंसमेंट सिस्टम का उपयोग कर जनता को संदेश दिया जाता है। रेलवे द्वारा इस समस्या से निपटने के लिए कई प्रभावी उपाय किए गए हैं। रेल पटरियों के किनारे बैरिकेड्स और फेंसिंग लगाई जाती हैं, खासकर भीड़भाड़ वाले और संवेदनशील क्षेत्रों में। पटरियों को सुरक्षित रूप से पार करने के लिए फुट ओवरब्रिज और अंडरपास का निर्माण किया गया है। बड़े स्टेशनों पर विशेष पाथवे बनाए गए हैं, ताकि यात्रियों को सुरक्षित मार्ग मिल सके। सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से ट्रेसपासिंग की घटनाओं पर नजर रखी जाती है, और रेलवे सुरक्षा बल (RPF) और रेलवे पुलिस द्वारा नियमित गश्त की जाती है। यदि कोई व्यक्ति बिना अनुमति के पटरी पार करता है, तो रेलवे पुलिस उस पर जुर्माना लगा सकती है और कानूनी कार्रवाई भी कर सकती है।

कुम्भ मेले के कारण प्रयागराज–बीकानेर–प्रयागराज रेलसेवा के टर्मिनल स्टेशन में परिवर्तन।

सूत्र/उपरे - महा कुम्भ 2025 मेले को देखते हुए रेलवे द्वारा प्रयागराज-बीकानेर-प्रयागराज रेलसेवा के टर्मिनल स्टेशन में परिवर्तन किया जा रहा है। यह रेलसेवा प्रयागराज के स्थान पर सूबेदारगंज से आगमन/प्रस्थान करेगी।

उत्तर पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी के अनुसार:-

1. गाड़ी संख्या 12403 (प्रयागराज-बीकानेर रेलसेवा): दिनांक 11.01.25 से 27.02.25 तक प्रयागराज के स्थान पर सूबेदारगंज स्टेशन से 23.15 बजे बीकानेर के लिए प्रस्थान करेगी।
2. गाड़ी संख्या 12404 (बीकानेर-प्रयागराज रेलसेवा): दिनांक 10.01.25 से 26.02.25 तक बीकानेर से प्रस्थान करेगी और प्रयागराज के स्थान पर सूबेदारगंज स्टेशन पर 04.40 बजे आगमन करेगी।
3. गाड़ी संख्या 20403 (प्रयागराज-बीकानेर रेलसेवा): दिनांक 10.01.25 से 28.02.25 तक प्रयागराज के स्थान पर सूबेदारगंज स्टेशन से 23.15 बजे बीकानेर के लिए प्रस्थान करेगी।
4. गाड़ी संख्या 20404 (बीकानेर-प्रयागराज रेलसेवा): दिनांक 09.01.25 से 27.02.25 तक बीकानेर से प्रस्थान करेगी और प्रयागराज के स्थान पर सूबेदारगंज स्टेशन पर 04.40 बजे आगमन करेगी।

आरआईएनएल में स्वच्छता ही सेवा 2024 मेगा अभियान का शुभारंभ

सूत्र/रे.स.ब्यू- 14 सितंबर से 1 अक्टूबर, 2024 तक स्वच्छता ही सेवा 2024 पखवाड़ा 'स्वभाव स्वच्छता- संस्कार स्वच्छता' थीम के साथ आरआईएनएल में शुरू किया गया। स्वच्छता ही सेवा (एसएचएस) 2024 के शुभारंभ के अवसर पर विशाखापत्तनम स्टील प्लांट के प्रशासनिक भवन में स्वच्छता शपथ दिलाई गई, जिसमें श्री एस. सी. पांडे, निदेशक (कार्मिक), श्री सीएच एस आर वी जी के गणेश, निदेशक (वित्त), श्री जी. वी. एन. प्रसाद, निदेशक (वाणिज्यिक), डॉ. एस. करुणा राजू, आईएएस, मुख्य सतर्कता अधिकारी आरआईएनएल और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने स्वच्छता शपथ ली। विशाखापत्तनम इस्पात संयंत्र के विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, वरिष्ठ अधिकारी और कर्मचारियों ने भी आज स्वच्छता की शपथ ली। स्वच्छता ही सेवा 2024 अभियान के दौरान, विभिन्न गतिविधियां जैसे श्रमदान के माध्यम से ''स्वच्छता भागीदारी'' (सभी की भागीदारी के साथ सफाई अभियान), संयंत्र में ठेका श्रमिकों के लिए सुरक्षा 'स्वच्छता सुरक्षा के साथ' पर जागरूकता सत्र, बाल स्वच्छता जागृति - स्कूलों में 'स्कूल स्वच्छता में सामूहिक भागीदारी और तर्कसंगतता' पर स्कूली बच्चों के लिए जागरूकता सत्र, ''कचरे से कला'' और ''स्वच्छ भारत मिशन'' - नुक्कड़/स्किट, स्कूली बच्चों के बीच नारा लेखन/ निबंध/पेंटिंग/पोस्टर प्रतियोगिता, ''एक पेड़ मां के नाम'' (सामूहिक वक्षारोपण), सफाई मित्र सुरक्षा शिविर - 'व्यक्तिगत स्वच्छता' और 'अच्छे स्वास्थ्य अभ्यास' पर जागरूकता कार्यक्रम श्रमिकों) और अन्य कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

Scan the Code for the Latest Verified
RAILWAYS NEWS ON OUR WEBSITE OR E-PAPER
हमारी वेबसाइट या ई-पेपर पर भारतीय रेलवे के सत्यापित समाचार को पढ़ने के लिए कोड को स्कैन करें
www.railsamacharbureauald.com
SCAN QR

वंदे भारत एक्सप्रेस से क्षेत्रीय समृद्धि और पर्यटन को मिलेगा बढ़ावाः नन्द गोपाल गुप्ता

सूत्र/रे.स. ब्यू- प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से देश की पहली 20-कोच की वंदे भारत ट्रेन (वाराणसी - नई दिल्ली) का शुभारंभ किया। इसके साथ ही देशभर में 06 नई वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनों की भी शुरुआत की गई। इसी क्रम में प्रयागराज जंक्शन स्टेशन पर आयोजित स्थानीय कार्यक्रम में अपर मंडल रेल प्रबंधक/सामान्य, श्री संजय सिंह ने माननीय अतिथियों का स्वागत किया और अपने संबोधन में बताया कि रेलवे यात्रियों की सुविधाओं को बढ़ाने के लिए स्टेशन और ट्रेनों का लगातार विस्तार किया जा रहा है। उत्तर प्रदेश में ₹92,001 करोड़ की परियोजनाएं चल रही हैं, जिसमें इस वर्ष ₹19,848 करोड़ का रिकॉर्ड बजट आवंटन हुआ है। 157 स्टेशनों को विश्व स्तरीय रेलवे सुविधाओं में विकसित करने का कार्य प्रगति पर है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि, उत्तर प्रदेश सरकार के औद्योगिक विकास मंत्री श्री नन्द गोपाल गुप्ता ''नन्दी'' ने वंदे भारत एक्सप्रेस की प्रशंसा करते हुए कहा कि यह ट्रेन देश का गौरव है और यात्रियों को एक अद्वितीय यात्रा अनुभव प्रदान करती है। दिल्ली-वाराणसी रूट पर 20 कोच जोड़ने से अधिक यात्री इस सुविधा का लाभ उठा सकेंगे। उन्होंने कहा कि आगरा छावनी-बनारस वंदे भारत एक्सप्रेस से काशी के धार्मिक पर्यटन और आगरा के ताज महल, फतेहपुर सीकरी जैसे ऐतिहासिक स्थलों को बढ़ावा मिलेगा। यह ट्रेन 06 जिलों में त्वरित यातायात सेवा उपलब्ध कराएगी, जिससे उद्योगों और शिक्षा क्षेत्र को लाभ मिलेगा। इस अवसर पर प्रयागराज जंक्शन स्टेशन पर आयोजित स्थानीय कार्यक्रम में मुख्य अथिति माननीय मंत्री, औद्योगिक विकास, निर्यात प्रोत्साहन, एन.आर.आई. तथा निवेश प्रोत्साहन, उत्तर प्रदेश सरकार श्री नन्द गोपाल गुप्ता ''नन्दी'' सहित माननीय लोकसभा सदस्य/फूलपुर, श्री प्रवीण पटेलय माननीय महापौर, नगर निगम प्रयागराज, श्री गणेश केसरवानीय माननीय विधायक/सोरांव, श्रीमती गीता शास्त्री (पासी), माननीय विधायक/बारा, श्री वाचस्पतिय माननीय विधान परिषद सदस्य, श्री के. पी. श्रीवास्तव, रेल समाचार ब्यूरो के मुख्य संपादक श्री ज्ञानेंद्र कुमार श्रीवास्तव एवं अपर मंडल रेल प्रबंधक/सामान्य, श्री संजय सिंह उपस्थित थे।

यात्रियों की सुविधा हेतु गाड़ियों की संचालन अवधि में विस्तार।

सूत्र/उमरे- रेल प्रशासन द्वारा यात्रियों की सुविधा हेतु निम्न गाड़ियों की संचालन अवधि में विस्तार करने का निर्णय लिया गया है, जिसका विवरण निम्नवत है:

गाड़ी सं. 04115/04116 सूबेदारगंज-लोकमान्य तिलक विशेष गाड़ी:

- सूबेदारगंज से: गाड़ी सं. 04115, प्रत्येक गुरुवार, दिनांक 26.09.24 से 02.01.25 = 14 फेरे
- लोकमान्य तिलक से: गाड़ी सं. 04116, प्रत्येक शुक्रवार, दिनांक 27.09.24 से 03-01-25 = 14 फेरे
- गाड़ी संरचना: SLR/01, SLR/D-01, सामान्य-04, स्लीपर-10,AC तृतीय-06 = 22 डिब्बे

गाड़ी सं. 01922 वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी-पुणे साप्ताहिक एक्सप्रेस एवं गाड़ी सं. 01921 पुणे-वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी साप्ताहिक सुपरफास्ट एक्सप्रेस विशेष:

- वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी से: गाड़ी सं. 01922, प्रत्येक बुधवार, दिनांक 04.09.24 से 01.01.25 = फेरे
- पुणे से: गाड़ी सं. 01921, प्रत्येक गुरुवार, दिनांक 05.09.24 से 02.01.25 = 18 फेरे

गाड़ी सं. 04151/04152 कानपुर सेंट्रल-लोकमान्य तिलक साप्ताहिक सुपरफास्ट विशेष:

- कानपुर सेंट्रल से: गाड़ी सं. 04151, प्रत्येक शुक्रवार, दिनांक 27.09.24 से 27.12.24 = 14 फेरे
- लोकमान्य तिलक से: गाड़ी सं. 04152, प्रत्येक शनिवार, दिनांक 28.09.24 से 28.12.24 = 14 फेरे

किसी भी तरह की असुविधा से बचने के लिए यात्रा से पहले 139 डायल कर के ट्रेन का समय सुनिश्चित करें।

महाप्रबंधक के साथ जबलपुर रेल मंडल परिक्षेत्र के माननीय सांसद की बैठक सम्पन्न।

सूत्र/पमरे- 13 सितंबर 2024 को जबलपुर रेल मंडल पर सांसदों की एक महत्वपूर्ण बैठक पश्चिम मध्य रेलवे की महाप्रबंधक, श्रीमती शोभना बंदोपाध्याय के साथ आयोजित की गई। बैठक में सांसद फग्गन सिंह कुलस्ते (मण्डला), गणेश सिंह (सतना), आशीष दुबे (जबलपुर), दर्शन सिंह चौधरी (नर्मदापुरम), लत्ता वानखेड़े (सागर), राहुल सिंह लोधी (दमोह), डॉ. राजेश मिश्रा (सीधी), और राज्यसभा सांसद सुमित्र बाल्मीकि उपस्थित थे। इसके अतिरिक्त, अन्य सांसदों ने अपने प्रतिनिधियों के माध्यम से सुझाव भेजे। महाप्रबंधक ने सांसदों का स्वागत करते हुए कहा कि यह बैठक रेल प्रशासन के लिए महत्वपूर्ण है, जहां सांसदों के सुझावों का मूल्य है। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री द्वारा 2024 में पश्चिम मध्य रेल की 17 परियोजनाओं का लोकार्पण किया गया है, जिसमें कटनी-बीना तिहरीकरण और नई रेल लाइनें शामिल हैं। सांसदों ने कई सुझाव दिए, जैसे कि जबलपुर-इंदौर ओवरनाइट एक्सप्रेस का ठहराव श्रीधाम स्टेशन पर, और कोरोना के कारण बंद गाड़ियों को फिर से चालू करना। सांसद गणेश सिंह ने साफ-सफाई सुनिश्चित करने और महिला आरक्षकों की संख्या बढ़ाने की बात कही। सांसद लता वानखेड़े ने अमृत भारत योजना के तहत बीना स्टेशन के पुनर्विकास में तेजी लाने का सुझाव दिया, जबकि डॉ. राजेश मिश्रा नेरीवा-सीधी-सिंगरौली रेल परियोजना को शीघ्र पूरा करने की मांग की। बैठक में महाप्रबंधक के साथ प्रमुख मुख्य परिचालन प्रबंधक श्री गुरिन्दर मोहन सिंह, प्रमुख मुख्य इंजीनियर श्री आशुतोष, वरिष्ठ उप महाप्रबंधक श्री नीरज कुमार, और अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। बैठक का संचालन उप महाप्रबंधक (सामान्य) श्री अनुराग पाण्डेय ने किया।

रेलवे बोर्ड राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 152वीं बैठक संपन्न, रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष ने हिंदी के प्रयोग पर दिया बल।

सूत्र/रे.स.ब्यू- रेल भवन में दिनांक 12 सितंबर 2024 को रेलवे बोर्ड राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 152वीं बैठक आयोजित की गई। इस बैठक की अध्यक्षता रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी श्री सतीश कुमार ने की। बैठक में रेल मंत्रालय में राजभाषा कार्यान्वयन की प्रगति का जायजा लिया गया। बैठक को संबोधित करते हुए श्री सतीश कुमार ने कहा कि रेलवे के विभिन्न विभागों में हिंदी भाषा का प्रयोग-प्रसार लगातार बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि रेल मंत्रालय में राजभाषा हिंदी में अच्छा कार्य हो रहा है। भारतीय रेल में राजभाषा हिंदी में उत्कृष्ट कार्य करने के लिए रेल मंत्रालय को गृह मंत्रालय के राजभाषा विभाग द्वारा वर्ष 2023 के लिए 'कीर्ति पुरस्कार' प्रदान किया गया है। श्री सतीश कुमार ने बताया कि हिंदी भाषा के प्रचार-प्रसार के लिए रेलवे बोर्ड कार्यालय में अगस्त 2024 में उपन्यास सम्राट मुंशी प्रेमचंद, राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त तथा प्रसिद्ध व्यंग्यकार श्री हरिशंकर परसाई की जयंतियां मनाई गई थीं। इसके अलावा, 22 अगस्त को "कृत्रिम मेधा के क्षेत्र में हिंदी का अनुप्रयोग" विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया था। उन्होंने बताया कि 14 सितंबर को हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में बोर्ड कार्यालय के अधिकारियों व कर्मचारियों के लिए 14 से 27 सितंबर तक हिंदी पखवाड़ा मनाया जा रहा है। इसमें हिंदी टिप्पणी एवं प्रारूप लेखन प्रतियोगिता, निबंध प्रतियोगिता, हिंदी कार्यशाला, संगोष्ठी एवं कविताओं पर आधारित अंताक्षरी जैसे कई कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इस अवसर पर रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष द्वारा रेल राजभाषा पत्रिका का विमोचन भी किया गया। बैठक में रेलवे बोर्ड के सदस्यों, विभिन्न उपक्रमों के प्रमुखों तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया।

संपादकीय

भारतीय रेल में राजभाषा का योगदान

भारतीय रेल न केवल देश की परिवहन प्रणाली की रीढ़ है, बल्कि यह भारत की सांस्कृतिक और भाषाई विविधता को भी प्रतिबिंबित करती है। भारतीय संविधान के अनुच्छेद 343 के तहत हिंदी को देश की राजभाषा का दर्जा दिया गया है, और भारतीय रेल, एक प्रमुख सरकारी संगठन के रूप में, राजभाषा हिंदी के प्रचार-प्रसार में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

राजभाषा का प्रचार-प्रसार

भारतीय रेल में राजभाषा अधिनियम, 1963 के अनुपालन में हिंदी के प्रयोग को बढ़ावा दिया गया है। रेलवे बोर्ड से लेकर जोनल और डिवीजनल कार्यालयों तक, हिंदी में कामकाज सुनिश्चित करने के लिए राजभाषा विभाग स्थापित किए गए हैं। प्रत्येक जोन और डिवीजन में राजभाषा अधिकारी नियुक्त किए जाते हैं, जो यह सुनिश्चित करते हैं कि हिंदी में अधिकतम कार्य हो।

राजभाषा हिंदी के प्रयोग की दिशा में कदम

भारतीय रेल ने हिंदी के प्रचार-प्रसार और उसके दैनिक कार्यों में उपयोग को सुनिश्चित करने के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। रेलवे द्वारा नियमित रूप से हिंदी कार्यशालाओं, सेमिनारों और प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है, जिसमें कर्मचारियों को हिंदी में काम करने के लिए प्रेरित और प्रशिक्षित किया जाता है। इसके अलावा, सभी रेल कर्मचारियों को राजभाषा नीति की जानकारी दी जाती है और उन्हें हिंदी में कार्य करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है।

हिंदी पत्राचार एवं सूचना प्रौद्योगिकी में योगदान

भारतीय रेल में हिंदी का प्रयोग न केवल प्रशासनिक कार्यों में बल्कि पत्रचार और सूचना प्रौद्योगिकी के माध्यम से भी हो रहा है। रेलवे द्वारा जारी अधिसूचनाएं, सर्कुलर, निर्देश और अन्य महत्वपूर्ण दस्तावेज हिंदी में उपलब्ध कराए जाते हैं। रेलवे की वेबसाइट और ऑनलाइन सेवाओं में भी हिंदी का समावेश किया गया है, जिससे यात्रियों को अपनी मातभाषा में जानकारी प्राप्त हो सके।

आने वाले समय में संभावनाएं

भारतीय रेल ने राजभाषा हिंदी के प्रचार में उल्लेखनीय प्रगति की है, लेकिन इसे और सशक्त बनाने के लिए निरंतर प्रयास आवश्यक हैं। डिजिटल युग में रेलवे की सेवाओं और सूचना प्रणाली को पूरी तरह से हिंदी में उपलब्ध कराना, राजभाषा के प्रयोग को और बढ़ावा देगा।

अंततः, भारतीय रेल में राजभाषा का योगदान एक महत्वपूर्ण स्तंभ है जो न केवल हिंदी भाषा का सम्मान बढ़ा रहा है, बल्कि देश की एकता और अखंडता को भी सुद्रढ़ कर रहा है।

राजभाषा विशेषांक

भारतीय रेल ने बढ़ाया हिंदी का मान

भारतीय रेल ने राजभाषा हिंदी के प्रचार-प्रसार में महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी 'राजभाषा पखवाड़ा' धूमधाम से मनाने का निर्णय लिया है। इस अवसर पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं, जिसमें हिंदी लेखन, कविता पाठ और भाषण प्रतियोगिताएं शामिल हैं। रेलवे के अधिकारियों और कर्मचारियों को हिंदी के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। यह पहल न केवल हिंदी के प्रति सम्मान बढ़ाएगी, बल्कि भारतीय संस्कृति के प्रति जागरूकता भी फैलाएगी। भारतीय रेल इस दिशा में एक मॉडल के रूप में उभर रही है।

पूर्वोत्तर रेलवे में राजभाषा सप्ताह का समापन, कवि सम्मेलन का आयोजन

महाप्रबंधक, पूर्वोत्तर रेलवे, सुश्री सौम्या माथुर के मुख्य आतिथ्य में गोरखपुर के रेलवे प्रेक्षागृह में राजभाषा सप्ताह के समापन अवसर पर कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ महाप्रबंधक सुश्री माथुर ने दीप प्रज्ज्वलित कर और माँ सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण कर किया। इस अवसर पर प्रसिद्ध कवियों ने हिंदी साहित्य की महत्ता और देशभक्ति से ओत-प्रोत कविताएं प्रस्तुत कीं। महाप्रबंधक ने हिंदी के प्रचार-प्रसार के लिए ऐसे आयोजनों की सराहना की और उपस्थित लोगों को हिंदी के अधिकतम उपयोग के लिए प्रेरित किया।

पश्चिम रेलवे में राजभाषा प्रदर्शनी का आयोजन

राजभाषा पखवाड़े के अवसर पर पश्चिम रेलवे के प्रधान कार्यालय, चर्चगेट में राजभाषा प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। इस प्रदर्शनी में वर्ष के दौरान पश्चिम रेलवे द्वारा राजभाषा हिंदी में किए गए कार्यों और उपलब्धियों को प्रदर्शित किया गया। प्रदर्शनी का उद्घाटन पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक श्री अशोक कुमार मिश्र द्वारा किया गया। इस दौरान श्री मिश्र ने हिंदी के प्रचार-प्रसार में पश्चिम रेलवे की भूमिका को सराहा और सभी विभागों से हिंदी में अधिकतम कार्य करने का आग्रह किया। प्रदर्शनी ने हिंदी के प्रति जागरूकता बढ़ाने में अहम योगदान दिया।

उत्तर मध्य रेलवे में राजभाषा पखवाड़ा एवं समिति की बैठक आयोजित

दि. 13 सितंबर, 2024 को उत्तर मध्य रेलवे मुख्यालय में महाप्रबंधक श्री उपेन्द्र चंद्र जोशी की अध्यक्षता में राजभाषा पखवाड़ा और क्षेत्रीय राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक आयोजित की गई। कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण से हुआ। इस अवसर पर महाप्रबंधक ने 'रेल संगम' पत्रिका के कार्मिक विभाग विशेषांक का विमोचन किया। उन्होंने हिंदी के प्रचार-प्रसार और इसके प्रशासनिक कार्यों में उपयोग को प्रोत्साहित करने पर बल दिया। कार्यक्रम में अधिकारियों और कर्मचारियों ने भी भाग लिया।

सीएसएमटी मुख्यालय में क्षेत्रीय राजभाषा समिति की १८६वीं बैठक आयोजित

मध्य रेल के महाप्रबंधक श्री धर्म वीर मीना की अध्यक्षता में सीएसएमटी मुख्यालय में क्षेत्रीय राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 186वीं बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में 'रेल-सुरभि' ई-पत्रिका के 38वें अंक का डिजिटल विमोचन किया गया। साथ ही, राजभाषा के विकास पर विस्तृत चर्चा की गई और इसके उन्नयन के लिए कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। इस दौरान हिंदी के प्रचार-प्रसार और रेल प्रशासन में उसके अधिकाधिक प्रयोग को सुनिश्चित करने हेतु कदम उठाने पर जोर दिया गया।

उत्तर रेलवे में राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक

नई दिल्ली के बड़ौदा हाउस स्थित प्रधान कार्यालय में उत्तर रेलवे क्षेत्रीय राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक का आयोजन महाप्रबंधक श्री शोभन चौधुरी की अध्यक्षता में किया गया। इस अवसर पर 2 सितंबर 2024 से 12 सितंबर 2024 तक आयोजित राजभाषा पखवाड़ा का समापन हुआ। महाप्रबंधक महोदय ने हिंदी के उत्कृष्ट प्रयोग के लिए कर्मचारियों और अधिकारियों को सम्मानित किया। उन्होंने राजभाषा हिंदी के उपयोग को प्रोत्साहित करने पर बल दिया और भविष्य में और अधिक कार्य हिंदी में करने का आह्वान किया।

राजभाषा के प्रचार में अग्रणी

हिंदी दिवस समारोह में महाप्रबंधक ने किया बुलेटिन का विमोचन

हिंदी दिवस के अवसर पर पूर्व मध्य रेलवे में विशेष समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें महाप्रबंधक श्री छत्रसाल सिंह ने माँ सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण किया। इस दौरान महाप्रबंधक ने राजभाषा बुलेटिन ''पूर्व मध्य रेल दर्पण'' का विमोचन भी किया। इसके बाद ''हिंदी के प्रचार-प्रसार में भारतीय रेल का योगदान'' विषय पर एक विचार-गोष्ठी आयोजित की गई, जिसमें रेल अधिकारियों और कर्मचारियों ने हिंदी के महत्व और इसके प्रचार-प्रसार पर अपने विचार साझा किए।

पश्चिम मध्य रेल में 'राजभाषा पखवाड़ा-2024' का आयोजन

30 सितंबर 2024 तक पश्चिम मध्य रेल, मुख्यालय में 'राजभाषा पखवाड़ा-2024' का आयोजन किया जा रहा है। इस पखवाड़े के अंतर्गत हिंदी भाषा के प्रचार-प्रसार के लिए विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इस क्रम में हिंदी निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें रेलवे के कर्मचारियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। प्रतियोगिता का उद्देश्य हिंदी भाषा की महत्ता को उजागर करना और कर्मचारियों को हिंदी लेखन के प्रति प्रेरित करना है। आयोजन के सफल समापन पर विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे, जिससे हिंदी के प्रति जागरूकता बढ़ेगी।

हिंदी दिवस समारोह का आयोजन पूर्व रेलवे मुख्यालय में

पूर्व रेलवे के राजभाषा विभाग द्वारा हिंदी दिवस समारोह का आयोजन पूर्व रेलवे मुख्यालय के महाप्रबंधक के नवीन सभाकक्ष में किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि महाप्रबंधक श्री मिलिन्द देऊस्कर थे। इस अवसर पर मुख्य राजभाषा अधिकारी, प्रधान विभागाध्यक्ष, और विभागीय राजभाषा संपर्क अधिकारी मौजूद थे। महाप्रबंधक ने माननीय रेल मंत्री का 'हिंदी दिवस संदेश' पढ़कर सभी को शुभकामनाएं दीं। मुख्य राजभाषा अधिकारी ने हिंदी के उपयोग को बढ़ाने का आग्रह किया। समारोह में प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता और प्रेमचंद की कहानी पर लघु फिल्म का प्रदर्शन किया गया। उप महाप्रबंधक श्री पी.सी. डांग ने धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यक्रम का समापन किया।

दक्षिण मध्य रेलवे में राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक

दक्षिण मध्य रेलवे के मुख्यालय में महाप्रबंधक श्री अरुण कुमार जैन की अध्यक्षता में क्षेत्रीय राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में अपर महाप्रबंधक श्री नीरज अग्रवाल, मुख्य राजभाषा अधिकारी श्री ए.के. श्रीवास्तव, सभी प्रमुख विभागाध्यक्ष और अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे। ऑनलाइन माध्यम से अन्य मंडलों और कारखानों के प्रतिनिधियों ने भी भाग लिया। महाप्रबंधक ने सभी को हिंदी दिवस की शुभकामनाएं देते हुए हिंदी पखवाड़ा मनाने की जानकारी दी और अधिकारियों से अपील की कि वे अपने कार्य हिंदी में करें तथा प्रगति की रिपोर्ट प्रधान कार्यालय को भेजें।

आरेडिका में राजभाषा पखवाड़ा की शुरूआत

आधुनिक रेल डिब्बा कारखाना, रायबरेली में दिनांक 14.09.2024 से 27-09-2024 तक राजभाषा पखवाड़ा का आयोजन किया जा रहा है जिसके अंतर्गत रेलवे कर्मचारियों को हिंदी में अधिकाधिक काम करने में प्रेरित करने के उद्देश्य से मुख्य राजभाषा अधिकारी श्री रूपेश श्रीवास्तव के नेतत्व में विभिन्न प्रकार के कार्यक्रमों का आयोजन होगा, जिसमें कर्मचारी एवं अधिकारी विभिन्न कार्यक्रमों जैसे- हिंदी कार्यशाला, उपन्यास सम्राट प्रेम चन्द पर साहित्यिक व्याख्यान, निबंध लेखन, राजभाषा शब्दावली अनुवाद, वाक् प्रतियोगिता, प्रारूप एवं टिप्पणी लेखन कवि सम्मेलन आदि के माध्यम से हिंदी में अपनी रुचि का परिचय देंगे। महाप्रबंधक महोदय, श्री प्रशान्त कुमार मिश्रा ने बताया कि, राजभाषा के रूप में हिंदी को विकसित करने में आरेडिका के राजभाषा विभाग द्वारा सराहनीय प्रयास किये जा रहे हैं तथा राजभाषा विभाग पाठकों को बेहतर पाठन सामग्री उपलब्ध करा रहा है। जिससे राजभाषा के विकास में मदद मिल रही है।

बरेका में हिंदी कार्यशाला का आयोजन

राजभाषा पखवाड़ा-2024 के अंतर्गत बनारस रेल इंजन कारखाना (बरेका) के राजभाषा विभाग द्वारा महाप्रबंधक श्री सुशील कुमार श्रीवास्तव के निर्देशन में हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया। वरिष्ठ राजभाषा अधिकारी डॉ. संजय कुमार सिंह ने राजभाषा नियम, वार्षिक कार्यक्रम, मानक वर्तनी, पारिभाषिक शब्दावली और पत्राचार के स्वरूप पर गहन प्रशिक्षण दिया। कार्यशाला में बड़ी संख्या में कर्मचारियों ने भाग लेकर हिंदी के उपयोग और महत्व को समझा। इस आयोजन का उद्देश्य कर्मचारियों को हिंदी में दक्ष बनाना था।

कोंकण रेलवे पर राजभाषा पखवाड़े का उद्घाटन

कोंकण रेलवे पर राजभाषा पखवाड़े का उद्घाटन अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक की उपस्थिति में हुआ, जिसमें गृह मंत्री का संदेश प्रसारित किया गया। इसी अवसर पर निदेशक (वित्त) ने रेल मंत्री जी का संदेश भी साझा किया। कार्यक्रम में निदेशक (रेलपथ एवं कार्य), सभी विभागाध्यक्ष, अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित थे। राजभाषा पखवाड़े के तहत हिंदी के अधिक से अधिक प्रयोग और प्रसार पर जोर दिया गया। अधिकारियों ने सभी कर्मचारियों से अपने कार्य हिंदी में करने की अपील की, ताकि राजभाषा नीति का प्रभावी रूप से पालन हो सके।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे में नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक सम्पन्न

कोंकण रेलवे पर राजभाषा पखवाड़े का उद्घाटन अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक की उपस्थिति में हुआ, जिसमें गृह मंत्री का संदेश प्रसारित किया गया। इसी अवसर पर निदेशक (वित्त) ने रेल मंत्री जी का संदेश भी साझा किया। कार्यक्रम में निदेशक (रेलपथ एवं कार्य), सभी विभागाध्यक्ष, अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित थे। राजभाषा पखवाड़े के तहत हिंदी के अधिक से अधिक प्रयोग और प्रसार पर जोर दिया गया। अधिकारियों ने सभी कर्मचारियों से अपने कार्य हिंदी में करने की अपील की, ताकि राजभाषा नीति का प्रभावी रूप से पालन हो सके।

राष्ट्रव्यापी अभियान 'देश का प्रति परीक्षण' के लिए आयुष मंत्रालय तैयार।

सूत्र/रे.स.ब्यू- आयुर्वेद के प्रचार-प्रसार के उद्देश्य से केंद्रीय आयुष राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री प्रतापराव जाधव की संकल्पना और मार्गदर्शन में आयुर्वेद क्षेत्र में शोध के साथ ही आयुर्वेद के बारे में जन जागरूकता लाने हेतु 'देश का प्रति परीक्षण' अभियान पूरे देश में आयोजित करने के लिए तैयारी की बैठक 13 सितम्बर 2024 को नई दिल्ली में आयोजित की गई। आयुर्वेद के अनुसार व्यक्ति की अपनी विशिष्ट प्रेंति होती है जो जन्म के समय ही निश्चित हो जाती है। प्रेंति का ज्ञान व्यक्ति के स्वास्थ्य की रक्षा के लिए महत्वपूर्ण होता है। इस अवसर पर आयुष मंत्री श्री जाधव ने कहा कि मोदी जी ने मुझ पर बहुत विश्वास करके मुझे इस मंत्रालय की जिम्मेदारी सौंपी है। इस जिम्मेदारी को निभाते हुए मुझे आयुर्वेद को आगे बढ़ाना है और आयुर्वेद को हर घर तक ले जाना है। मैंने देखा है कि बीमारी के आखिरी स्टेज में भी आयुर्वेद ने लोगों का उपचार किया है। हमें मिलजुलकर आयुर्वेद के उपचार को घर-घर तक पहुंचाना है। उन्होंने कहा कि आयुर्वेद में आधुनिकता होनी चाहिए और यह अभियान हमने आयुर्वेद को आगे बढ़ाने के लिए शुरू किया है। सामान्य मेडिकल स्टोर की तरह जगह-जगह पर आयुष के स्पेशल मेडिकल स्टोर खोले जाने चाहिए। मोदी जी का हर-घर आयुर्वेद पहुँचाने का सपना हम जरूर पूरा करेंगे। सचिव आयुष वैद्य राजेश कोटेचा ने कहा कि प्रेंति परीक्षण अभियान को विज्ञान के आधार पर एथिकल क्लियरेन्स और डॉक्युमेंटेशन के साथ किए जाने की तैयारी हो रही है। आयुष मंत्रालय, उसकी टीम और आयुर्वेद जगत से जुड़े लोगों का इस अभियान में विशेष योगदान है और हम इस अभियान के माध्यम से बहुत बड़ी सफलता अर्जित करके दिखाएंगे। एनसीआईएसएम अध्यक्ष वैद्य जयंत देव पुजारी ने कहा कि इस अभियान के लिए आयुष मंत्रालय से जुड़ी सभी संस्थाओं को एक सूत्र में जोड़ा गया और सभी राज्यों के कोऑर्डिनेटर्स ने इस अभियान में अपनी सहभागिता की है। एक नोडल एजेंसी के तौर पर एनसीआईएसएम इसे सफल बनाने का प्रयास कर रही है। साथ ही इसकी सफलता के लिए मंत्रालय के सभी संस्थान समग्र रूप से कार्य कर रहे हैं। इस अभियान को चलाने हेतु देश के सभी आयुर्वेद महाविद्यालय में शिक्षा ग्रहण करने वाले स्नातक छात्र, जिनकी संख्या लगभग 1 लाख 35 हजार है, और स्नातकोत्तर शिक्षा ग्रहण करने वाले लगभग 20 हजार छात्र, इन महाविद्यालयों में अध्ययन-अध्यापन कराने वाले 18 हजार अध्यापक और देश में चिकित्सक के रूप में सेवा प्रदान करने वाले लगभग 3 लाख से अधिक चिकित्सक, कुल मिलाकर लगभग 4 लाख 73 हजार लोग इस अभियान में स्वयंसेवक के रूप में प्रेंति परीक्षण का कार्य संपादित कराएंगे। इनके माध्यम से एक माह में एक करोड़ से अधिक नागरिकों का प्रेंति परीक्षण किया जा सकेगा। इस अभियान के माध्यम से शोध क्षेत्र का सबसे बड़ा रिसर्च सैंपल साइज प्राप्त होगा जिससे यह सामान्य भ्रांति दूर की जा सकेगी कि आयुर्वेद के क्षेत्र में शोध कार्य नहीं होते।

'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान पर्यावरण संरक्षण के लिए एक अहम कदम है - प्रतापराव जाधव

सूत्र/रे.स.ब्यू- नई दिल्ली, 13 सितं. 2024: प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के राष्ट्रीय अभियान 'एक पेड़ माँ के नाम' के अंतर्गत आयुष मंत्री श्री प्रतापराव जाधव ने 13 सितंबर, 2024 को आयुष भवन, नई दिल्ली में औषधीय पौधे आंवला का वृक्षारोपण किया। उन्होंने अपनी मां स्व. श्रीमती सिंधुताई गणपतराव जाधव जी के नाम पर यह पौधारोपण किया और इस अभियान को पूरे देश में बढ़ावा देने का शुभारंभ किया। मंत्री जाधव ने कहा कि यह अभियान पर्यावरण संरक्षण के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है, जो लोगों को अपनी माताओं और मातभूमि के प्रति सम्मान व्यक्त करने का अवसर देता है। उन्होंने सभी नागरिकों से अपील की कि वे अपने आस-पास औषधीय पौधे लगाएं और 'सेल्फी' लेकर सोशल मीडिया पर साझा करें, ताकि अन्य लोग भी इस अभियान का हिस्सा बन सकें। इस वृक्षारोपण कार्यक्रम में आयुष सचिव वैद्य राजेश कोटेचा, नेशनल मेडिसिनल प्लांट बोर्ड के सीईओ डॉ. महेश दधीचि और मंत्रालय के अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे। इस अभियान के तहत आयुष की सभी संस्थाओं ने भी औषधीय पौधों का रोपण किया।

आयुर्वेद का दैनिक जीवन में महत्व, रेल कर्मियों के लिए अति सहायक

सूत्र/रे.स.ब्यू- आयुर्वेद, भारत की प्राचीन चिकित्सा प्रणाली, स्वस्थ और संतुलित जीवन जीने की कला सिखाती है। इसका आधार प्रेंति के नियमों और तत्वों पर आधारित है, जो शरीर, मन और आत्मा के सामंजस्य को स्थापित करता है। आयुर्वेद केवल बीमारी का इलाज नहीं करता, बल्कि यह शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत कर रोगों से बचने पर भी जोर देता है।

आयुर्वेद का दैनिक जीवन में योगदान

आयुर्वेदिक जीवनशैली अपनाने से हम अपने दिनचर्या को अधिक संतुलित और स्वास्थ्यवर्धक बना सकते हैं। इसमें अनुशासन और नियमबद्ध दिनचर्या का पालन, खान-पान पर ध्यान और प्रोंतिक तरीकों से स्वास्थ्य का संरक्षण शामिल है। उदाहरण के तौर पर, सुबह उठते ही पानी पीने की आदत शरीर से विषाक्त पदार्थों को निकालने में मदद करती है। इसी प्रकार, आयुर्वेदिक जड़ी-बूटियों का नियमित सेवन जैसे तुलसी, अदरक, हल्दी और आंवला, प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत करता है और बीमारियों से बचाव करता है।

आयुर्वेदिक खान-पान

आयुर्वेद में भोजन को 'औषधि' के रूप में माना जाता है। संतुलित आहार का सेवन, जिसे मौसम और शरीर की प्रेंति के अनुसार चुना गया हो, जीवन में संतुलन बनाए रखने में सहायक होता है। ताजे, मौसमी और प्रोंतिक खाद्य पदार्थों का सेवन करने से शरीर स्वस्थ रहता है और पाचन तंत्र मजबूत होता है।

मानसिक और भावनात्मक स्वास्थ्य में आयुर्वेद का योगदान

आयुर्वेदिक चिकित्सा सिर्फ शारीरिक स्वास्थ्य तक सीमित नहीं है, बल्कि यह मानसिक और भावनात्मक स्वास्थ्य का भी ख्याल रखती है। योग, ध्यान और प्राणायाम जैसे आयुर्वेदिक उपाय मानसिक शांति और संतुलन प्रदान करते हैं, जिससे तनाव और चिंता से बचाव होता है।

इस प्रकार, आयुर्वेदिक जीवनशैली अपनाने से न केवल हम शारीरिक रूप से स्वस्थ रह सकते हैं, बल्कि मानसिक और भावनात्मक संतुलन भी प्राप्त कर सकते हैं।

''आयुर्वेद में वैश्विक खाद्य परिदृश्य को बदलने की क्षमता है'': वैद्य राजेश कोटेचा, सचिव, आयुष मंत्रालय

सूत्र/रे.स.ब्यू- नई दिल्ली, 19 सितंबर 2024 आयुष मंत्रालय ने प्रगति मैदान, नई दिल्ली में 19 से 22 सितंबर तक आयोजित वर्ल्ड फूड इंडिया 2024 के दौरान आयुष पवेलियन में आयुर्वेद आहार और भारतीय पारंपरिक चिकित्सा पर आधारित विभिन्न खाद्य उत्पादों को प्रदर्शित कर वैश्विक दर्शकों का ध्यान आकर्षित किया। इस पवेलियन में प्रस्तुत आयुर्वेद आहार के उत्पाद पारंपरिक ज्ञान को समकालीन खाद्य समाधानों के साथ जोड़ते हैं, जो वैश्विक स्तर पर लोगों का ध्यान खींच रहे हैं। इस अवसर पर वरिष्ठ गणमान्य व्यक्तियों और विश्वभर के

आयुष पवेलियन की प्रमुख विशेषताएं में शामिल हैं:

- मधुमेह, मोटापा, और उच्च रक्तचाप के लिए आयुर्वेदिक आहार उत्पादों का प्रदर्शन।
- आयुर्वेदिक तत्वों का दैनिक भोजन में समावेश।
- लाइव प्रदर्शन और विशेषज्ञों द्वारा परामर्श।
- आयुर्वेद आहार अनुसंधान और उत्पाद विकास के लिए साझेदारी पर चर्चा।

स्टेकहोल्डर्स ने आयुर्वेद-प्रेरित खाद्य परंपराओं की प्रासंगिकता और आधुनिक वैश्विक स्वास्थ्य चुनौतियों के समाधान में उनकी भूमिका पर जोर दिया। उद्घाटन दिवस पर, सचिव वैद्य राजेश कोटेचा ने आयुष पवेलियन का दौरा करते हुए आयुर्वेद को मुख्यधारा के पोषण और स्वास्थ्य में शामिल करने के महत्व पर बल दिया। उन्होंने कहा, ''आयुर्वेद आहार वैज्ञानिक रूप से परखे हुए समाधान प्रदान करता है, जो समग्र स्वास्थ्य के विचार को मजबूती देता है।'' सचिव ने आगे कहा कि मंत्रालय आयुर्वेदिक खाद्य पदार्थों के लिए मानकीकृत दिशानिर्देश विकसित करने की योजना बना रहा है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि ''आयुर्वेद वैश्विक खाद्य परिदृश्य को बदलने की क्षमता रखता है, और हम अनुसंधान तथा नवाचार को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध हैं।''

पारंपरिक चिकित्सा में एआई के उपयोग पर विशेषज्ञों की बैठक

सूत्र/रे.स.ब्यू- अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान (AIIMS) में 11 और 12 सितंबर 2024 को ''वैश्विक स्वास्थ्य के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI): पारंपरिक चिकित्सा को आगे बढ़ाना'' विषय पर दो दिवसीय हाइब्रिड मोड बैठक संपन्न हुई। इस बैठक में 15 देशों के 60 विशेषज्ञों के साथ-साथ विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) और विश्व बौद्धिक संपदा संगठन (WIPO) के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। बैठक में पारंपरिक चिकित्सा में AI के उपयोग को बढ़ावा देने के तरीकों पर चर्चा की गई। विशेषज्ञों ने AI के माध्यम से चिकित्सा अनुसंधान और डेटा विश्लेषण में उन्नति पर जोर दिया। डब्ल्यूएचओ के डिजिटल स्वास्थ्य सलाहकार डॉ. कार्तिक अडप्पा ने बताया कि स्वास्थ्य क्षेत्र में AI के उपयोग से विकसित और विकासशील देशों के बीच स्वास्थ्य सेवाओं में असमानता को कम करने की कोशिश की जाएगी। आयुष मंत्रालय के सचिव वैद्य राजेश कोटेचा ने पारंपरिक चिकित्सा को आधुनिक डिजिटल उपकरणों से जोड़ने के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने AI, IoT, और क्लाउड कंप्यूटिंग जैसी तकनीकों के माध्यम से स्वास्थ्य सेवा में सुधार की आवश्यकता बताई।AI पर आधारित एक व्यापक प्रशिक्षण मॉड्यूल और वैश्विक डेटा संग्रह प्रणाली को अगले एक साल के भीतर लागू करने की योजना बनाई गई है। यह बैठक पारंपरिक चिकित्सा में AI के उपयोग को बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगी, जिससे वैश्विक स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार होगा।

जन-जन की भाषा में,गौरव है अभिमान ।
यह राजभाषा हिंदी,हिंदी का गुणगान ।।

भाषा के उपवन में,सबसे सरल है हिंदी ।
भारत भाल सुशोभित,माँ बहनों की बिंदी ।।
संतो का है चिंतन, यह हिंदी है आसान ।
यह राजभाषा हिंदी, हिंदी का गुणगान ।।

हिंदी सबको समझी, हर भाषा को जोड़ी ।
भाषा जो भी मिली, उनको भी न छोड़ी ।।

एक धागे में बाँधी, यह हिंदी हिन्दुस्तान ।
यह राजभाषा हिंदी, हिंदी का गुणगान ।।

यह संस्कृत की बेटी, सम्मानित संसार ।
यह राष्ट्र की पहचान ,शब्दावली भंडार ।।
यह मातृभाषा मेरी, हाँ करता हूँ सम्मान ।
यह राजभाषा हिंदी, हिंदी का गुणगान ।।-

शोभनाथ सिंह यादव
एनटीपीसी सिंगरौली शक्तिनगर सोनभद्र (उ०प्र०)

Union Minister of State for Railways and Jal Shakti, Shri V Somanna Inspects Rail Wheel Factory & Reviews Bengaluru Suburban Railway Project

Source/RSB-Union Minister of State for Railways and Jal Shakti, Shri V. Somanna, inspected the Rail Wheel Factory (RWF) in Yelahanka and reviewed the Bengaluru Suburban Railway Project. Accompanied by Shri M.B. Patil, Minister for Commerce & Industries in Karnataka, and senior officials, he assessed initiatives to enhance RWF's capacity. During the visit, Shri Somanna toured key units, including the forging complex, axle machining unit, and wheel casting unit. He addressed staff suggestions and grievances, emphasizing the recent commissioning of a third Axle Machining Line, which is expected to increase axle production by 40,000 units annually. He praised RWF's role in supporting Prime Minister Modi's 'Atmanirbhar Bharat' vision, noting successful exports of wheels and axles to Mozambique, Sudan, and Malaysia under the 'Make in India – Make for the World' initiative. The Minister reviewed the Bengaluru Suburban Railway Project, focusing on the Circular Railway Project designed to enhance connectivity to areas like Doddaballapur, Devanahalli, Malur, and Anekal. He directed that the Detailed Project Report prioritize densely populated regions to ensure affordable access for commuters. In a separate meeting at Vidhana Soudha, Shri Somanna and Shri Patil announced that the Chikkabanavara-Baiyyappanahalli (25 km) and Heelalige-Rajanukunte (46.88 km) segments will be completed by December 2026. They stressed the need for expedited land acquisition and encouraged officials to accelerate work. The review meeting included senior officials such as Shri Arvind Srivastava, General Manager of South Western Railway, and Shri Maheshwar Rao, Managing Director of Bengaluru Metro Rail Corporation, discussing integration efforts and project timelines.

Minister Ravneet Singh Discusses Innovative Logistics Strategies in New Delhi

New Delhi: Sh. Ravneet Singh, Union Minister of the Ministry of Railways, convened a crucial meeting with the CMD of Container Corporation of India (Concor) and other senior officials to explore groundbreaking initiatives aimed at enhancing logistics and connectivity across the nation. During the discussion, the Minister emphasized the need for a collaborative approach to address the evolving demands of India's logistics sector. He highlighted the importance of integrating advanced technologies and efficient practices to streamline operations and improve service delivery. The meeting also focused on strategies to boost freight movement, optimize resource allocation, and enhance the overall efficiency of the rail logistics network. Sh. Singh expressed confidence that these initiatives will not only bolster economic growth but also pave the way for sustainable development in the logistics sector. As India continues to embrace innovation, the Ministry remains committed to fostering a robust infrastructure that supports seamless connectivity and enhances the country's position as a global logistics hub. The Minister's proactive stance marks a significant step towards achieving these ambitious goals. Onward to more innovation and growth!

> "Railways are the backbone of daily life, where every station marks a new chapter, and each journey tells a different story."

Strengthen voluntarism and collective action for Swachhata-Shri, Satish Kumar Chairman & CEO, Railway Board

Source/PIB- Shri Satish Kumar, CEO & Chairman of the Railway Board, has emphasized the importance of cleanliness in Indian Railways, directing all Zonal Railways, Production Units, and Public Sector Undertakings to prioritize Swachhata. In a meeting with senior officials, he noted that October 2nd is observed as Swachh Bharat Diwas in tribute to Mahatma Gandhi. Since 2017, a fortnightly campaign called 'Swachhata Hi Seva' has aimed to foster voluntarism and collective action for cleanliness. Last year's campaign saw approximately 2.5 lakh participants at 6,823 railway stations, contributing over 70,000 man-hours of shramdan. Activities included a massive plantation drive, waste-to-selfie points, and passenger awareness announcements regarding proper waste disposal. Various events like Prabhat Pheris with the slogan "Swachh Rail Swachh Bharat" and Nukkad Nataks organized by NGOs and schoolchildren helped raise awareness among passengers. This year marks the 10th anniversary of the Swachh Bharat Mission, with the 'Swachhata Hi Seva' 2024 campaign running from September 14 (curtain raiser) to October 1, culminating on Swachh Bharat Diwas. The theme, "Swabhav Swachhata, Sanskar Swachhata," aims to renew collective action and citizen participation in cleanliness efforts across India.

Key pillars of the campaign include:

1. Swachhata Ki Bhaagidari: Focusing on behavior change and participation in cleanliness drives, especially on railway platforms and tracks.
2. Sampoorna Swachhata: Identifying and transforming neglected areas (CTUs) that pose environmental and hygiene risks.
3. Safai Mitra Suraksha Shivirs: Organizing health camps and sensitization workshops for safai mitras.

With 3,857 Cleanliness Target Units identified and 4,666 events created on the 'Swachhata Hi Seva' portal, IR aims for a significant impact, focusing on cleanliness in urban and semi-urban areas. This campaign, a joint initiative with the Ministry of Housing & Urban Affairs and the Ministry of Jal Shakti, underscores that sanitation is a collective responsibility, inviting active participation from all stakeholders.

Automatic Train Examination System: Another Step by N. F. Railway to Enhance Safety

> This rolling stock health monitor will improve safety in train operations with higher reliability and cost efficiency. Once fully operational, this system will significantly reduce potential train hazards.

Source/NFR-Northeast Frontier Railway has installed a prototype Automatic Train Examination System (ATES) for the first time at its rolling in and rolling out examination point at New Jalpaiguri. ATES is an artificial intelligence-based technology that involves capturing, processing, and analyzing visual data, such as images and videos of rolling stock. The ATES unit is equipped with four cameras and four sensors, which are placed on both sides of the railway track. The moment the train passes through this section of the tracks, all the cameras and sensors are activated to monitor every movement of the train. The sensors record the temperature of the axle box bearings and the wheels. If the temperature exceeds its threshold limit, the system generates alert messages. Early detection of faults allows for timely maintenance and repair, improving train safety and reducing the risk of incidents. ATES can also identify the coach numbers of wagons, which helps in managing and optimizing train scheduling. Coach number identification can be synced with axle number information for more detailed data. ATES can automatically inspect train doors to detect whether they are open or closed or if they have any damage. By monitoring door conditions in real time, the system alerts train operators and maintenance crews about potential safety hazards and maintenance needs, ensuring safety and preventing service disruptions. Currently, ATES is in the observation stage, and further refinements to its working procedures will be continuously carried out.

A Pilgrimage of Pride and Respect: DG RPF Leads Tribute to Police Martyrs at Hot Springs, Ladakh

Source/RSB- On September 3, 2024, a 28-member delegation of police officers from various State Police and Central Armed Police Forces (CAPFs) gathered at the Hot Springs Memorial in Ladakh. The delegation was led by Mr. Manoj Yadava, Director General of the Railway Protection Force (RPF), with Mr. N. Prakash Reddy, DIG of Telangana Police, as the Deputy Leader. Officers from Punjab and Haryana Police also participated.The group paid solemn respects at the Memo-rial, joined by officers and personnel from the Indo-Tibetan Border Police (ITBP) and the Indian Army. A highlight of the ceremony was meeting Mr. Sonam Dorjey, an 86-year-old veteran who bravely resisted Chinese troops on October 21, 1959, during a historic enco-unter. Situated at an altitude of 15,400 feet near the Line of Actual Control (LAC), the Hot Springs Memorial honors ten CRPF personnel who sacrificed their lives in 1959. This annual tribute has become a sacred tradition for India's police forces since its inception in 1960.Mr. Yadava's leadership in this year's pilgrimage was particularly significant as he became the first DG of RPF to lead the delegation. He dedicated the pilgrimage to the 1,011 RPF personnel who have died in the line of duty since 1958, reinforcing the values of duty, valor, and sacrifice within India's police fraternity.

Northeast Frontier Railway Advances Towards "Zero Scrap Mission," Yields More Than Rs. 200 Crores from Scrap Sale in Last FY

Source/NFR- In line with Indian Railways' "Zero Scrap Mission," Northeast Frontier Railway (NFR) has made significant strides to ensure that all its establishments and units are free from scrap materials. This mission involves continuous monitoring to keep stations, depots, sheds, workshops, and sections free of scrap. As part of the "Zero Scrap Mission," NFR sold 23,628 MT of scrap rails/p-way materials and 19,192 MT of miscellaneous scrap items, generating revenues worth Rs. 202.84 crores during the last fiscal year. Additionally, 26 diesel locomotives, 247 coaches, and 284 wagons were also sold as condemned rolling stock during the same period. Up to July 2024 of the current fiscal year, Northeast Frontier Railway has sold scrap rails, p-way material, condemned coaches, wagons, and locomotives worth Rs. 41.58 crores, which is 34.65% higher compared to the last year's sale value of Rs. 30.88 crores. The "Zero Scrap Mission" drive has not only generated revenue for Indian Railways but also created space for accumulating other materials, including additional scrap. This initiative has sur-passed the scrap sale target and improved the aesthetics of stations, workplaces, and surr-ounding areas. It has also contributed to maintaining a clean and environmentally friendly railway premise.

GENERAL MANAGER REVIEWS PERFORMANCE OF NORTHERN RAILWAY

Source/NR- Sh. Shobhan Chaudhuri, General Manager of Northern Railway, held a review meeting on 03rd September, 2024 with the departmental heads and DRMs of Northern Railway. The meeting, which took place at Baroda House, focused on enhancing safety protocols and ensuring the highest standards for passenger and railway asset safety. Key topics addressed during the meeting included emergency response protocols, employee training initiatives, maintenance schedules, and the implementation of new safety technologies. Sh. Chaudhuri also reviewed the status of various important construction projects related to doubling and new lines, directing officials to expedite the work. He emphasized that keeping the rolling stock and locomotives in optimal condition is vital for maintaining the safety, efficiency, and reliability of train operations. The General Manager highlighted the importance of a robust signaling and interlocking system to ensure smooth train operations and reiterated the need for continuous training initiatives to foster a safety-conscious culture within the railway system. Additionally, the GM commended the staff's efforts in ensuring the safety and smooth functioning of train operations, especially during the monsoon season. The comprehensive review reaffirmed Northern Railway's commitment to providing a safe, efficient, and sustainable service to its customers.

Minister of State Shri Ravneet Singh Reviews Rail Projects at Rail Coach Factory

Source/RSB- Kapurthala: Shri Ravneet Singh, Minister of State for Railways, praised the Rail Coach Factory (RCF) during his first visit, commending its pivotal role in transforming Indian Railways. RCF is spearheading several innovative projects aimed at enhancing passenger experience and safety.RCF's flagship projects include the introduction of Amrit Bharat coaches with modern amenities like CCTV, LED lighting, and fire suppression systems, making train travel more comfortable and secure. Additionally, RCF is advancing high-speed travel with Vande Bharat and Vande Metro trains, the latter designed for short-distance intercity routes.The factory is also developing specialised coaches for the Jammu-Baramulla line, tailored for the extreme weather conditions of the Kashmir Valley. Shri Singh lauded these efforts, especially the coaches' insulation systems, which ensure optimal performance in freezing temperatures.RCF aims to manufacture 2,401 coaches by 2024-25, continuing its legacy of innovation. Shri Ravneet Singh's visit highlights the factory's contributions to the modernization of Indian Railways, emphasizing its role in shaping the future of rail transport with advanced technologies and passenger-centric designs.

Kalindi Express Narrowly Escapes Disaster after Gas Cylinder Found on Tracks, Questions linger: Who is behind these attempts to harm the railways?

Source/RSB - In a shocking incident, the Prayagraj-Bhi-wani Kalindi Express narrowly avoided a major disaster when it collided with a gas cylinder placed on the railway tracks near Kanpur, Uttar Pradesh. The incident occurred around 8:30 PM on 08th September, 2024, Sunday; raising serious concerns about the safety of railway operations. According to the police, the placement of the gas cylinder on the tracks was a deliberate attempt to derail the train. Thanks to the alertness of the train crew, a catastrophic accident was averted, and no casualties were reported. This marks the second such incident in Uttar Pradesh in recent months. On August 17, the Varanasi-Ahmedabad Sabarmati Express derailed after hitting an object near Kanpur, which the loco pilot described as a boulder. The repeated targeting of Indian Railways with dangerous objects has raised alarm bells. Authorities are investigating the motives behind these incidents and are working to enhance security along vulnerable stretches of the railway network. Questions linger: who is behind these attempts to harm the railways, and what can be done to prevent such tragedies in the future?

Festival Special Trains Announced by SER

Source/SR- In anticipation of increased demand during the festive season, South Eastern Railway (SER) has introduced special trains. The schedule is as follows:03253 Patna-Secunderabad Special will depart from Patna every Monday and Wednesday between 14th October 2024 and 30th December 2024 at 15:00 hrs, arriving in Secunderabad at 03:30 hrs on the third day.07255 Hyderabad-Patna Special will leave Hyderabad every Wednesday from 16th October 2024 to 1st January 2025 at 22:50 hrs, reaching Patna at 11:30 hrs on the third day.07256 Secunderabad-Patna Special will depart Secunderabad every Friday from 18th October 2024 to 27th December 2024 at 21:00 hrs, arriving in Patna at 09:30 hrs on the third day.These trains will halt at Bokaro Steel City, Ranchi, Hatia, Rourkela, and Jharsuguda. Passengers are advised to confirm the train schedule by dialing 139 before their journey.

The Many Benefits of Working Out: A Key to Healthy Living

Regular physical exercise is not only essential for maintaining a fit body but also for fostering mental wellbeing. Engaging in consistent workouts offers numerous health benefits, both physically and emotionally, making it a cornerstone of a healthy lifestyle. One of the primary advantages of working out is improved cardiovascular health. Activities like jogging, swimming, or cycling strengthen the heart, reduce cholesterol levels, and help manage blood pressure. Over time, regular exercise reduces the risk of heart disease, diabetes, & other chronic conditions. Workouts also boost mental health by reducing stress, anxiety, and depression. Physical activities trigger the release of endorphins, also known as "feel-good" hormones, which promote a sense of wellbeing and relaxation. Additionally, exercise supports weight management and enhances muscle strength and flexibility, reducing the risk of injuries. It improves posture, enhances sleep quality, & boosts energy levels. Incorporating regular physical activity into daily life doesn't have to be strenuous. Even modrate exercises like brisk walking or yoga can offer significant health benefits.

A consistent workout routine is a powerful tool for maintaining overall wellbeing, promoting longevity, and enhancing the quality of life. For anyone seeking a happier, healthier life, the benefits of working out are undeniable.

रेल विकास निगम लिमिटेड
Rail Vikas Nigam Limited

RVNL Achieves Major Breakthrough in Tunnel No. 14 of Bhanupali-Bilaspur-Beri Railway

ProjectSourcr/RSB- Rail Vikas Nigam Limited (RVNL) marked a significant achievement with the successful breakthrough of Tunnel No. 14 in the Bhanupali-Bilaspur-Beri New Railway Line project. On September 11, 2024, the 2.2 km long tunnel was completed after two years of excavation, adhering to high safety and quality standards. This breakthrough brings the project closer to its goal, with 13 out of 16 tunnels now finished.The CMD of RVNL celebrated the milestone, emphasizing the project's importance. The Bhanupali-Bilaspur-Beri project spans 63.1 km and aims to enhance rail connectivity between Punjab and Himachal Pradesh. Approved in April 2008, the project includes earthwork, river protection, and the construction of five critical bridges.In February 2024, the project received a significant allocation of Rs. 1000 crore, underscoring its strategic importance for the region's development. With Tunnel No. 14 complete, RVNL continues its efforts to meet its ambitious goals and improve infrastructure in northern India.

Noise Barrier Installation Progresses Along Mumbai-Ahmedabad Bullet Train Corridor

Source/NHSRCL- The installation of noise barriers along the Mumbai-Ahmeda-bad Bullet Train Corridor is making significant progress. As of September 10, 2024, noise barriers have been installed over a stretch of 87.5 kilometers, with over 175,000 barriers erected across Gujarat. For every kilometer of the cor-ridor, 2,000 noise barriers are being placed on both sides of the viaduct. To support this project, six factories are producing precast noise barriers: three in Ahmedabad and one each in Surat, Vadodara, and Anand. These concrete barriers, standing 2 meters high and 1 meter wide, are designed to mitigate noise generated by the train and civil structures during operations. Each barrier weighs approximately 830-840 kg and is engineered to reflect and distribute the aerodynamic sounds produced by the train as well as the noise from the wheels on the tracks. Importantly, the design ensures that the barriers do not obstruct views for passengers enjoying the ride. In residential and urban areas, taller barriers of 3 meters will be implemented, incorporating a 1-meter translucent polycarbonate addition to enhance visibility while maintaining noise reduction

GPT Infraprojects Secures ₹217 Crore Contracts in Railway Sector

Source/RSB- GPT Infraprojects Limited (GPTINFRA) has won significant contracts worth ₹217 crore from South Eastern Railway and Eastern Railway, marking a major achievement in the railway infrastructure space. The contracts include constructing road over bridges on the vital Howrah-Kharagpur section and manufacturing special sleepers to enhance rail safety and operations.The South Eastern Railway contract, valued at ₹204 crore, involves constructing multi-lane road over bridges using composite and bow string girders. This project, aimed at replacing level crossings on the busy Howrah-Kharagpur route, is expected to improve traffic flow and rail safety. Additionally, Eastern Railway increased the value of GPTINFRA's ongoing contracts by ₹13 crore for manufacturing specialized sleepers.These projects are essential for modernizing railway infrastructure, reducing congestion, and ensuring smoother train operations in one of India's busiest rail corridors. GPTINFRA's successful bids emphasize the company's growing role in supporting India's rail network development.With these strategic contracts, GPTINFRA continues to contribute to the transformation of India's railway sector, enhancing safety and efficiency across crucial rail routes.

IRCON Ranks Among Top Global Contractors in 2024

Only four Indian PSU Featured in Prestigious ENR Rankings

Source/RSB- IRCON International Limited has made a significant achievement by being the only Indian Public Sector Undertaking (PSU) featured in the 2024 edition of the Engineering News Record (ENR) rankings, a leading global authority in the construction industry. In this year's rankings, IRCON has secured the 232nd position in the Top 250 International Contractors list and the 207th position in the Top 250 Global Contractors list. Among Indian companies, only four others have earned a place in these coveted rankings.

Commitment and Dedication Recognized This recognition underscores the commitment, devotion, and hard work of the entire IRCON team. The company's consistent performance and its role in enhancing India's infrastructure on a global scale have contributed to this prestigious accomplishment.The Ministry of Railways has played a pivotal role in guiding and supporting IRCON throughout its journey, helping the PSU maintain its strong presence in the global construction arena. IRCON continues to strive for excellence, furthering India's reputation in the global infrastructure industry.

Jindal Stainless Supplies High-Performance Steel for Vande Bharat Sleeper Trains

Source/RSB- Jindal Stainless has supplied high-strength 301LN tempered austenitic stainless steel for the Vande Bharat sleeper train project, marking a major leap in Indian Railways' modernization efforts. Unveiled recently by Railway Minister Shri Ashwini Vaishnaw in Bengaluru, the sleeper trains are designed for long-distance, overnight travel, covering 800 to 1,200 kilometers. Manufactured by Integral Coach Factory (ICF) and Bharat Earth Movers Limited (BEML), the coaches use stainless steel that enhances durability, safety, and energy efficiency. The 301LN grade steel is known for its corrosion resistance, fire safety, and crash resistance, significantly improving passenger safety. Additionally, the use of this material reduces the weight of each coach by two tonnes, promoting energy efficiency and reducing the carbon footprint. "*Managing Director of Jindal Stainless, Abhyuday Jindal, highlighted that this project symbolizes a new era of innovation in Indian Railways. The coaches are capable of reaching speeds of up to 160 km/h, offering modern amenities and comfort.*" The first batch of coaches is set to be dispatched from BEML's Bengaluru plant by September 20, 2024, with an official launch expected by December 2024.

DMRC Introduces Multiple Journey QR Ticket (MJQRT) to Enhance Passenger Convenience

Source/DMRC- On 12th September 2024, as part of its 'Ease of Booking' initiative, the Delhi Metro Rail Corporation (DMRC) launched the Multiple Journey QR Ticket (MJQRT). This cutting-edge technology eliminates the need for purchasing daily QR tickets, enhancing convenience for passengers. DMRC's Mana-ging Director, Dr. Vikas Kumar, unveiled the feature at Metro Bhawan, accompanied by senior officials.

Key Features and Benefits of MJQRT:

- First-of-its-kind solution: MJQRT introduces India's first QR-based multiple-journey product.
- Exclusively on दलिली सारथी (Momentum 2.0): Available only on DMRC's app, MJQRT offers a seamless way to manage multiple journeys.
- Availability: This feature will be accessible for app users starting tomorrow.
- Comprehensive journey management: Passengers can view their journeys, including fare payments and recharges, directly on the app.
- Simple onboarding: Users must register on the app and can start with an initial amount of ₹150.
- No security deposit: No security deposit is required for MJQRT.
- Flexible recharge options: Users can add value in multiples of ₹50 through digital payments, with a maximum balance limit of ₹3,000.
- Minimum balance for travel: A minimum balance of ₹60 is necessary to travel using MJQRT.
- Discounts on travel: Passengers can enjoy a 10% discount during peak hours and 20% during off-peak hours.
- Eco-friendly alternative: MJQRT serves as an environmentally friendly option compared to traditional smart cards.
- Secure and recoverable: In case of theft or loss, the remaining balance remains intact, allowing continued use on another device.

Dr. Vikas Kumar stated, "MJQRT simplifies travel with a single QR code, enhancing convenience and eco-friendliness, reflecting our commitment to improving the passenger experience." With this launch, DMRC reaffirms its dedication to digital innovation in metro travel.

BCPL Secures Rs. 71 Crore Contract for Electric Traction Upgrade on Kharagpur-Bhadrak

Section Source/RSB- BCPL Railway Infrastructure Ltd. has won a Rs. 71 crore contract from Rail Vikas Nigam Limited (RVNL) for upgrading the electric traction system on the Kharagpur-Bhadrak section under the South Eastern Railway. The project involves upgrading the system from 1 x 25 KV to 2 x 25 KV, aiming to enhance train speeds up to 160 km/h. It will also support a 3,000 MT loading target.The scope of the project includes designing, supplying, erecting, testing, and commissioning the upgraded electric traction system. The project is expected to be completed within 16 months and will significantly improve the efficiency and safety of railway operations in the region.Shri Aparesh Nandi, Chairman of BCPL Railway Infrastructure Ltd., expressed optimism, emphasizing the company's ongoing efforts to strengthen rail connectivity, particularly in rural and North Eastern regions. He also highlighted the company's readiness to secure similar projects nationwide.This contract marks another milestone for BCPL, as the company continues to play a vital role in the modernization of India's railway infrastructure, focusing on increasing capacity and enhancing the speed of rail networks across the country.

इरकॉन IRCON INTERNATIONAL LIMITED

(Navratna Company)

An Integrated Engineering and Construction Company

With 401 projects in India and 128 projects across the globe in 25 countries, IRCON has proved its credentials in the field of infrastructure development.

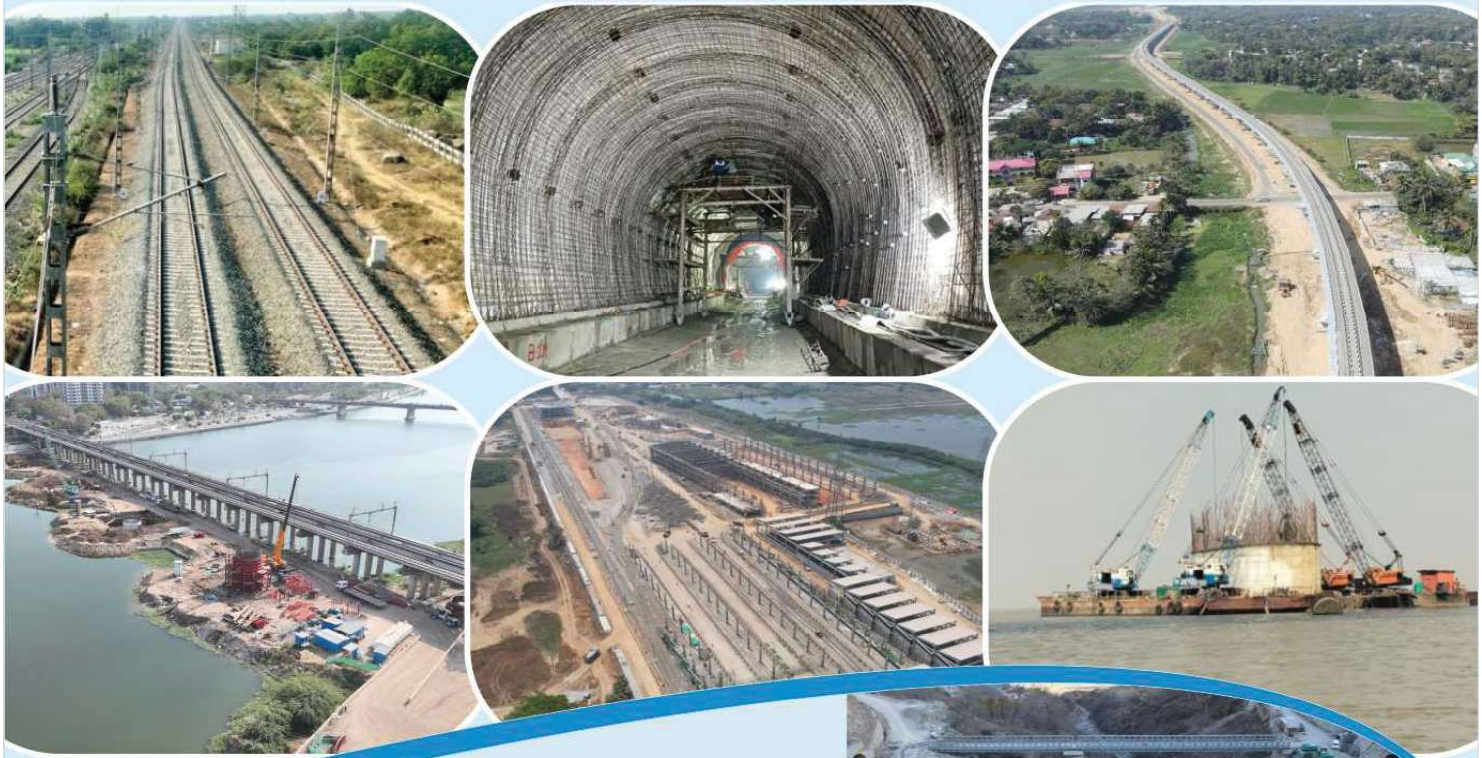

IRCON INTERNATIONAL LIMITED (IRCON), a Navratna Central Public Sector Undertaking incorporatedby the Government of India (Ministry of Railways) in 1976, is the leading turnkey construction company known for its quality, commitment and consistency in terms of performance.The Company's expertise and professional approach to work not only widened its horizons of work, but also propelled it to traverse the physical boundaries of the country. IRCON is actively participating in the infrastructure building efforts of several Asian and African countries. In the year 2023-24, the Company has registered total income of ₹12,388 Crore.

- Ranked in Top 250 International Contractors by Engineering News Record (USA). Also ranked amongst the Top 500 Indian Companies in Fortune India Magazine.
- Healthy profitability margins & comfortable liquidity position with its CARE Credit Rating of AAA/A1+ for long & short-term non-fund based borrowings. Continuously profit making company since its inception.
- Conferred with several awards in the year 2023-24, including CE&CR Annual award for "Outstanding Tunnel Structure" for the project "Udhampur-Srinagar-Baramulla New BG Rail line, Governance Now 10th PSU Award - CSR Commitment, Governance Now 10th PSU Award - Nation Building, Dun & Bradstreet award – ESG Champions of India 2024 in the Engineering & Construction services sector, Excellence in Civil Engineering, Testing and Commissioning of Rail Projects by Rail Analysis India, Top Challenger 2022-23 award by Construction World, Safety Innovation Award 2023 for implementing Innovative Safety Management Systemsand several others.

Core Competence Areas

- Railways
- Tunnels
- Bridges & Flyovers
- Highways & Expressways
- OHESub-stations
- Electrical and Mechanical
- Signaling & Telecom
- Development of Industrial areas
- Commercial, Institutional & Residential properties
- Metro Rail
- Runways
- Aircraft Hangars
- Wet Leasing of Locomotives

IRCON INTERNATIONAL LIMITED

(A Government of India Undertaking under Ministry of Railways)
Regd. Office: C-4, District Centre, Saket, New Delhi – 110017
Phone: +91 11 29565666 Fax: +91 - 11- 26522000/26854000
www.ircon.org